वर्ष : 34 | अंक : 347 | मुंबई, सोमवार, 23 फरवरी 2026 | RNI: MAHHIN/49994/91 | मूल्य : 3 रुपए | epaper.dobajedopahar.com | संपादक : अरुण लाल | संरक्षक : एन. के. पुरोहित

DBD
दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

बजट सत्र से पहले सियासी तापमान तेज

एमवीए ने सरकार पर साधा बहुआयामी हमला

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा के बजट सत्र की शुरुआत से पहले ही सियासत गरमा गई है। महा विकास आघाड़ी (एमवीए) ने राज्य की सत्तारूढ़ सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए संकेत दिए हैं कि इस बार सदन में तीखी बहस और हंगामे की पूरी संभावना है। विपक्ष ने सरकार को आर्थिक प्रबंधन, प्रशासनिक पारदर्शिता और कानून-व्यवस्था के मुद्दों पर घेरने की रणनीति बनाई है।

कानून-व्यवस्था और महिला सुरक्षा

राज्य में नशीले पदार्थों के बढ़ते कारोबार और महिला सुरक्षा के मुद्दे पर भी विपक्ष सरकार को घेरने की तैयारी में है। लापता महिलाओं और लड़कियों के मामलों का हवाला देते हुए एमवीए ने सख्त कार्रवाई की मांग की है। कुछ शैक्षणिक संस्थानों को अल्पसंख्यक दर्जा देने और बाद में उसे रद्द करने के फैसले पर भी विपक्ष ने सवाल उठाए हैं। एमवीए ने इस मामले में पारदर्शिता की मांग की है। कुल मिलाकर, बजट सत्र से पहले ही राजनीतिक माहौल गर्म है। विपक्ष जहां सरकार को विभिन्न मोर्चों पर चुनौती देने की तैयारी में है, वहीं सत्तापक्ष विकास और वित्तीय अनुशासन के एजेंडे के साथ सत्र में उतरने की बात कह रहा है। आने वाले दिनों में सदन की कार्यवाही पर पूरे राज्य की नजरें टिकी रहेंगी।

'चाय बैठक' से दूरी, राजनीतिक संदेश

सत्र से पहले मुख्यमंत्री द्वारा आयोजित पारंपरिक चाय बैठक में एमवीए के नेताओं ने हिस्सा नहीं लिया। विपक्ष का आरोप है कि सरकार संवाद की बजाय औपचारिकता निभा रही है। राजनीतिक गलियारों में इसे विपक्ष की एकजुटता का प्रदर्शन माना जा रहा है, हालांकि गठबंधन के भीतर समन्वय को लेकर भी चर्चाएं जारी हैं।

विमान हादसे की जांच की मांग

विपक्ष ने हालिया विमान दुर्घटना को लेकर उच्च स्तरीय जांच की मांग उठाई है। एमवीए का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए ताकि सभी आशंकाओं का समाधान हो सके।

किसान आत्महत्या और ग्रामीण संकट

यवतमाल सहित विदर्भ क्षेत्र में किसानों की आत्महत्या के मुद्दे को भी विपक्ष प्रमुखता से उठाने की तैयारी में है। एमवीए का आरोप है कि बड़े बजटीय प्रावधानों के बावजूद किसानों को जमीनी राहत नहीं मिल रही। विपक्ष ने राज्य के बढ़ते कर्ज और वित्तीय घाटे को लेकर सरकार की आलोचना की है। एमवीए का दावा है कि कल्याणकारी योजनाओं के नाम पर वित्तीय अनुशासन कमजोर हो रहा है। वहीं सरकार का कहना है कि विकास और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के लिए संसाधन जुटाना आवश्यक है।

दावोस दौरे और निवेश पर सवाल

एमवीए ने सरकार के दावोस दौरे पर श्वेत पत्र जारी करने की मांग की है। विपक्ष का कहना है कि विदेशी निवेश के दावों और वास्तविक निवेश के बीच स्पष्टता होनी चाहिए।

फ्लोरिडा में ट्रंप के मार-ए-लागो रिसॉर्ट पर घुसपैठ की कोशिश

एजेंसी | फ्लोरिडा/नई दिल्ली

अमेरिका के फ्लोरिडा स्थित मार-ए-लागो परिसर के बाहर रविवार तड़के सुरक्षा उल्लंघन की गंभीर घटना सामने आई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के निजी आवास और रिसॉर्ट माने जाने वाले इस हाई-सिक्योरिटी क्षेत्र में घुसपैठ की कोशिश कर रहे 20 वर्षीय युवक को यूएस सीक्रेट सर्विस के एजेंटों ने गोली मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई। सीक्रेट सर्विस के अनुसार, घटना स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 1:30 बजे हुई। संदिग्ध को मार-ए-लागो के नॉर्थ गेट के पास सुरक्षा घेरा तोड़ने की कोशिश करते देखा गया। उसके पास एक शॉटगन और फ्यूल कैन (ईंधन का डिब्बा) मिला, जिससे संभावित हमले या आगजनी की आशंका जताई जा रही है।

एफबीआई और सीक्रेट सर्विस जांच में जुटी

संयुक्त कार्रवाई में चली गोलियां

अधिकारियों के मुताबिक, एजेंटों ने जब संदिग्ध को रोकने की कोशिश की तो स्थिति तनावपूर्ण हो गई और गोलीबारी शुरू हो गई। इस दौरान सीक्रेट सर्विस और पाम बीच काउंटी शेरिफ ऑफिस के एक डिप्टी ने मिलकर फायरिंग की। घटना में कोई सुरक्षा अधिकारी घायल नहीं हुआ। घटना के समय राष्ट्रपति ट्रंप परिसर में मौजूद नहीं थे। मारे गए युवक की पहचान अभी सार्वजनिक नहीं की गई है।

एफबीआई की जांच जारी

मामले की जांच एफबीआई, सीक्रेट सर्विस और स्थानीय पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से की जा रही है। जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि युवक की मंशा क्या थी, क्या वह किसी बड़े षड्यंत्र का हिस्सा था और सुरक्षा बलों द्वारा की गई कार्रवाई परिस्थितियों के अनुरूप थी या नहीं। मार-ए-लागो को ट्रंप का 'विंटर व्हाइट हाउस' भी कहा जाता है और यहां की सुरक्षा बेहद कड़ी मानी जाती है। ऐसे में इस घटना को सुरक्षा व्यवस्था के लिए एक बड़ी चुनौती के रूप में देखा जा रहा है।

पहले भी हो चुकी है साजिश

गौरतलब है कि सितंबर 2024 में वेस्ट पाम बीच स्थित ट्रंप इंटरनेशनल गोल्फ क्लब में ट्रंप की हत्या की साजिश के आरोपी रयान रूथ को अदालत ने उम्रकैद की सजा सुनाई थी। ताजा घटना के बाद पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी गई है और सुरक्षा व्यवस्था और सख्त कर दी गई है। अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही पूरे घटनाक्रम की स्पष्ट तस्वीर सामने आएगी।

किश्तवाड़ में सुरक्षाबलों की बड़ी कामयाबी

जैश-ए-मोहम्मद के तीन आतंकी ढेर

एजेंसी | जम्मू

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के चतरू बेल्ट के पासेरकुट इलाके में रविवार को सुरक्षाबलों के साथ हुई मुठभेड़ में प्रतिबंधित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के तीन आतंकवादी मारे गए। अधिकारियों के अनुसार, मारे गए आतंकियों के शव बुरी तरह झुलसे हुए मिले हैं और उनकी पहचान की प्रक्रिया जारी है। प्रारंभिक आकलन के मुताबिक, मृत आतंकवादियों में जैश का कुख्यात कमांडर सैफुल्ला भी शामिल हो सकता है, जो पिछले करीब पांच वर्षों से क्षेत्र में सक्रिय था। उस पर सुरक्षाबलों पर कई घातक हमलों की साजिश रचने का आरोप था, जिनमें जुलाई 2024 का हमला भी शामिल है, जिसमें एक कैप्टन समेत चार जवान शहीद हुए थे। सेना की व्हाइट नाइट कोर ने 'एक्स' पर जानकारी देते हुए बताया कि विश्वसनीय खुफिया इनपुट के आधार पर किश्तवाड़ क्षेत्र में 'त्राशी-आई' ऑपरेशन के तहत संयुक्त अभियान चलाया गया। इस अभियान में सेना की काउंटर-इंटेलिजेंस फोर्स (सीआईएफ)-डेल्टा, जम्मू और कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ ने समन्वय के साथ कार्रवाई की। रविवार पूर्वाह्न करीब 11 बजे सुरक्षाबलों ने दुर्गम पहाड़ी क्षेत्र में छिपे आतंकवादियों को घेरा। आतंकियों ने कच्चे मकान से गोलीबारी शुरू कर दी।

उत्तरी कमान ने की सराहना

सेना की उत्तरी कमान के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा ने जवानों की 'तेज और सटीक' कार्रवाई की सराहना की। सेना ने कहा कि आतंकवाद मुक्त जम्मू-कश्मीर सुनिश्चित करने के लिए अभियान जारी रहेगा। अधिकारियों ने बताया कि चतरू वन क्षेत्र में 18 जनवरी से अब तक लगभग छह मुठभेड़ हो चुकी हैं। रविवार की कार्रवाई के साथ इस वर्ष जम्मू क्षेत्र में अलग-अलग अभियानों में जैश-ए-मोहम्मद के कुल सात आतंकवादी मारे जा चुके हैं। इससे पहले उधमपुर और कठुआ जिलों में भी आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई की गई थी। वहीं, सांबा जिले में शनिवार देर रात एक ट्रक चालक को संदिग्ध संपर्कों के आधार पर पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है।

ब्रीफ न्यूज़

होली पर 80 हजार करोड़ का कारोबार संभव, बाजारों में जबरदस्त रौनक

नई दिल्ली। रंगों का त्योहार होली इस बार व्यापारियों के लिए बड़ी खुशखबरी लेकर आया है। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के मुताबिक, देशभर में होली पर करीब 80 हजार करोड़ रुपये के कारोबार का अनुमान है, जो पिछले साल के मुकाबले करीब 25% अधिक है। 'वोकल फॉर लोकल' अभियान के असर से बाजारों में स्वदेशी पिचकारियां, हर्बल गुलाल और पूजा सामग्री की मांग बढ़ी है। चीनी उत्पादों की जगह देसी सामान ने ले ली है, जिससे छोटे व्यापारियों और कुटीर उद्योगों को फायदा हो रहा है।

पंजाब में दो पुलिसकर्मियों की रहस्यमयी मौत

चंडीगढ़। पंजाब के गुरदास जिले में बॉर्डर चेक-पोस्ट पर तैनात दो पुलिसकर्मियों की संदिग्ध हालात में मौत से हड़कंप मच गया है। घटना डोरंगला थाना क्षेत्र के अदियान गांव में देर रात हुई, जहां एएसआई गुरनाम सिंह और होमगार्ड जवान अशोक कुमार मृत पाए गए। परिजनों ने इस दावे को खारिज कर दिया है कि दोनों ने आपसी फायरिंग में एक-दूसरे को गोली मारी। उनका कहना है कि दोनों के सर्विस हथियार लोडेड मिले, जिससे यह थ्योरी कमजोर पड़ती है। परिवारों का आरोप है कि दोनों को सोते समय गोली मारी गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पंजाब पुलिस ने गैंगस्टर, ड्रग्स और आतंकी एंगल से जांच शुरू कर दी है।

टी20 वर्ल्ड कप में भारत की करारी हार

नई दिल्ली। आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सुपर-8 मुकाबले में टीम इंडिया को बड़ा झटका लगा है। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी में खेले गए मैच में साउथ अफ्रीका टीम ने भारत को 76 रनों से हरा दिया। इस हार से भारत का नेट रन रेट -3.80 हो गया है और सेमीफाइनल की उम्मीदों पर खतरा मंडराने लगा है। दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 187 रन बनाए। जवाब में भारतीय टीम 111 रन पर सिमट गई।

एफडीए रिश्वत कांड

मंत्री ने खुद को बताया निर्दोष उपमुख्यमंत्री का सख्त संदेश

मुंबई। महाराष्ट्र के खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग में कथित रिश्वतखोरी के खुलासे के बाद राजनीतिक माहौल गरमा गया है। स्टिंग ऑपरेशन में सामने आए आरोपों के बाद राज्य के मंत्री नरहरी झिरवल ने खुद को इस पूरे मामले से अलग बताते हुए कहा कि कुछ कर्मचारियों की हरकत से उनकी छवि धूमिल हुई है।

स्टिंग में 'कोडिंग' से वसूली का आरोप

रिपोर्ट्स के मुताबिक, मंत्री के मंत्रालय स्थित कार्यालय में निजी सहायक रामदास गाडे और क्लर्क राजेंद्र ढेरिंगे पर मेडिकल स्टोर संचालकों से सांकेतिक भाषा में रिश्वत मांगने का आरोप लगा। बताया गया कि एफडीए निरीक्षकों द्वारा लाइसेंस निलंबन के मामलों में अपील की प्रक्रिया के दौरान कथित तौर पर अवैध वसूली की जा रही थी। इस मामले में एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने क्लर्क ढेरिंगे को 35 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया।

उपमुख्यमंत्री की सख्त हिदायत

इस प्रकरण पर राज्य की उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार ने पार्टी विधायकों की बैठक में कड़ा रुख अपनाया। सूत्रों के अनुसार, उन्होंने स्पष्ट कहा कि मंत्री और विभागीय अधिकारी पार्टी की छवि को ध्यान में रखकर काम करें और किसी भी तरह की अनियमितता से बचें। सूत्रों का कहना है कि पार्टी नेतृत्व ने प्रशासनिक स्तर पर पारदर्शिता बनाए रखने और जवाबदेही तय करने के निर्देश दिए हैं। फिलहाल मामले की जांच जारी है और राजनीतिक हलकों की नजरें आगे की कार्रवाई पर टिकी हैं।

'तेलंगाना बना कांग्रेस का एटीएम?'

एजेंसी | हैदराबाद

तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के एक बयान ने राज्य की राजनीति में बड़ा विवाद खड़ा कर दिया है। गांधी परिवार के लिए 1,000 करोड़ रुपये जुटाने की क्षमता संबंधी टिप्पणी के बाद विपक्षी दलों ने कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला है। हालिया भाषण में रेड्डी ने कहा कि अगर कभी गांधी परिवार आर्थिक मुश्किल में हो, तो तेलंगाना कांग्रेस के कार्यकर्ता उनके लिए 1,000 करोड़ रुपये क्या, 10,000 करोड़ रुपये तक जुटाने की ताकत रखते हैं। उन्होंने कहा, 'जिनकी तीन पीढ़ियों ने देश के लिए बलिदान दिया, उनके लिए पैसे का क्या महत्व है? कांग्रेस और देश को अलग नहीं किया जा सकता।'

बीजेपी का पलटवार: 'राज्य का पैसा किसके लिए?'

रेड्डी के बयान पर बीजेपी के राष्ट्रीय आईटी प्रभारी अमित मालवीय ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या तेलंगाना का राजस्व जनता के कल्याण के लिए है या 'दिल्ली के एक परिवार' की सेवा के लिए? उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी का एटीएम बनाया जा रहा है।बीजेपी नेताओं ने यह भी कहा कि जब राज्य के युवा भर्ती प्रक्रियाओं का इंतजार कर रहे हैं और किसान योजनाओं के भुगतान को लेकर परेशान हैं, तब मुख्यमंत्री का ऐसा बयान संवेदनशील मुद्दों से ध्यान भटकाने जैसा है।

केंद्र पर भी साधा निशाना

अपने भाषण में रेड्डी ने केंद्र की भाजपा सरकार पर भी आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी और सोनिया गांधी की छवि खराब करने के लिए राजनीतिक साजिशें रची जाती हैं और झूठे मामलों में फंसाने की कोशिश होती है। रेड्डी की इस टिप्पणी के बाद तेलंगाना की राजनीति में आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज हो गया है। कांग्रेस जहां इसे गांधी परिवार के प्रति कार्यकर्ताओं की निष्ठा बता रही है, वहीं विपक्ष इसे सत्ता और संसाधनों के दुरुपयोग से जोड़कर बड़ा मुद्दा बना रहा है। आने वाले दिनों में यह विवाद और गहराने के संकेत मिल रहे हैं।

अमेरिका में ट्रंप की नीतियों पर बढ़ती नाराज़गी

महंगाई से विदेश नीति तक 60% से ज्यादा असंतोष

एबीसी–वॉशिंगटन पोस्ट सर्वे में चौंकाने वाले आंकड़े

एजेंसी | वॉशिंगटन

अमेरिका में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की नीतियों को लेकर असंतोष बढ़ता दिख रहा है। एक ताज़ा सर्वे में महंगाई, टैरिफ, विदेश नीति और इमिग्रेशन जैसे अहम मुद्दों पर बड़ी संख्या में अमेरिकियों ने उनकी कार्यशैली पर सवाल उठाए हैं।यह सर्वे एबीसी न्यूज़–वॉशिंगटन पोस्ट और इप्सोस द्वारा संयुक्त रूप से कराया गया। सर्वे के मुताबिक, करीब दो-तिहाई अमेरिकी महंगाई से निपटने के तरीके से संतुष्ट नहीं हैं। 60% से अधिक लोगों ने विदेशी सामानों पर लगाए गए टैरिफ का विरोध किया।

इमिग्रेशन और अर्थव्यवस्था पर भी नाराजगी

सर्वे में 58% लोगों ने इमिग्रेशन नीति से असंतोष जताया। वहीं 57% उत्तरदाताओं का मानना है कि अर्थव्यवस्था को बेहतर ढंग से संभाला जा सकता था। लगभग आधे प्रतिभागियों ने कहा कि ट्रंप के कार्यकाल में आर्थिक हालात बिगड़े, जबकि केवल एक-तिहाई ने सुधार की बात कही। सिर्फ 22% लोगों ने खुद को आर्थिक रूप से पहले से बेहतर स्थिति में बताया। बाकी ने या तो स्थिति में कोई बदलाव नहीं बताया या हालात खराब होने की बात कही।

रिपब्लिकन खेमे में भी मतभेद

सर्वे में यह भी सामने आया कि रिपब्लिकन पार्टी के भीतर भी मतभेद उभर रहे हैं। 'MAGA' अभियान से जुड़े समर्थक जहां ट्रंप के पक्ष में हैं, वहीं खुद को इस धड़े से अलग मानने वाले रिपब्लिकन महंगाई और विदेश नीति जैसे मुद्दों पर अधिक आलोचनात्मक नजर आए। ट्रंप की कुल अस्वीकृति दर लगभग 60% बताई गई, जो उनके दूसरे कार्यकाल के उच्चतम स्तरों में से एक मानी जा रही है।

डेमोक्रेट्स पर भी भरोसा सीमित

हालांकि सर्वे यह भी दर्शाता है कि मतदाता केवल ट्रंप से ही निराश नहीं हैं। जब पूछा गया कि देश की प्रमुख समस्याओं को कौन बेहतर सुलझा सकता है, तो 33% ने ट्रंप पर भरोसा जताया, 31% ने कांग्रेस में डेमोक्रेट्स का समर्थन किया, जबकि 31% ने कहा कि वे किसी पर भरोसा नहीं करते।

फिटनेस पर भी सवाल

सर्वे में ट्रंप की मानसिक और शारीरिक क्षमता को लेकर भी प्रश्न उठे। आधे से अधिक उत्तरदाताओं ने कहा कि उनमें राष्ट्रपति पद के लिए आवश्यक मानसिक क्षमता की कमी है, जबकि लगभग आधे ने शारीरिक फिटनेस पर भी चिंता जताई।इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि अमेरिकी राजनीति में नेतृत्व को लेकर अनिश्चितता और मतदाताओं की असंतुष्टि दोनों ही बढ़ रही हैं। आगामी चुनावी माहौल में यह रुझान महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

INDIA गठबंधन के नेतृत्व पर अय्यर की टिप्पणी

ममता को बताया 'केंद्रीय चेहरा'

एजेंसी | कोलकाता

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मणि शंकर अय्यर ने विपक्षी INDIA गठबंधन के नेतृत्व को लेकर अहम टिप्पणी की है। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी गठबंधन की प्रमुख नेता हैं और उनके बिना इसकी एकजुटता प्रभावित हो सकती है। अय्यर ने कहा कि ममता बनर्जी के साथ कुछ अन्य क्षेत्रीय नेता भी गठबंधन का नेतृत्व करने की क्षमता रखते हैं। उनका मानना है कि विपक्षी एकता को मजबूत करने के लिए क्षेत्रीय दलों की भूमिका महत्वपूर्ण है।

राहुल गांधी को दी सलाह

अय्यर ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को सुझाव दिया कि वे नेतृत्व की भूमिका पर जोर देने के बजाय सहयोगी दलों के नेताओं को आगे आने दें। उन्होंने कहा कि एम. के. स्टालिन, ममता बनर्जी, अखिलेश यादव और तेजस्वी यादव जैसे नेता गठबंधन की कमान संभाल सकते हैं। अय्यर ने टिप्पणी की, 'ममता दी के बिना INDIA गठबंधन का 'I', 'N', 'D', 'I', 'A' ही खत्म हो जाएगा, क्योंकि वे इसकी केंद्रीय नेता हैं।

नवी मुंबई में अवैध दत्तक रैकेट का पर्दाफाश

नवजात शिशु को सुरक्षित आश्रय

डीबीडी संवाददाता । नवी मुंबई

ठाणे जिला महिला एवं बाल विकास विभाग की सतर्कता से अवैध दत्तक प्रक्रिया के एक मामले का खुलासा हुआ है। शिकायत मिलने के बाद संयुक्त कार्रवाई में एक नवजात शिशु को सुरक्षित किया गया। जानकारी के अनुसार, विश्व हिंदू परिषद की ओर से जिला महिला एवं बाल विकास विभाग, ठाणे को शिकायत दी गई थी कि एक नवजात शिशु को विधिक दत्तक प्रक्रिया अपनाए बिना लेन-देन के माध्यम से सौंपा जा रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल जांच के निर्देश दिए गए।

संयुक्त टीम ने की छापेमारी

जिला महिला एवं बाल विकास विभाग ठाणे, जिला बाल संरक्षण कक्ष, चाइल्ड हेल्पलाइन ठाणे और कोपरखैरणे पुलिस स्टेशन की संयुक्त टीम ने संबंधित स्थान पर छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान शिशु की जैविक माता और वे लोग, जिन्हें बच्चा सौंपा गया था, मौके पर मौजूद मिले। सभी संबंधित व्यक्तियों को आगे की पूछताछ के लिए पुलिस स्टेशन लाया गया, जहां विधिवत डायरी दर्ज की गई।

बाल कल्याण समिति के निर्देश पर सुरक्षा

बाल कल्याण समिति (CWC) अध्यक्ष के निर्देशानुसार नवजात शिशु की चिकित्सीय जांच कराई गई। सुरक्षा के मद्देनज़र बच्चे को विश्व बालक ट्रस्ट में अस्थायी रूप से आश्रय दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि मामले की जांच जारी है। यदि शिशुओं की खरीद-फरोख्त या अवैध दत्तक प्रक्रिया में किसी की संलिप्तता पाई जाती है, तो संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ कानून के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

सबूतों के अभाव में मकोका केस ढहा

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

2017 की फायरिंग-लूट प्रयास मामले में नौ आरोपी दोषमुक्त

ठाणे जिले की विशेष अदालत ने वर्ष 2017 में भिवंडी क्षेत्र में हुई कथित डकैती के प्रयास और गोलीबारी के मामले में नौ आरोपियों को बरी कर दिया। अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष आरोपियों के खिलाफ ठोस और विश्वसनीय सबूत पेश करने में असफल रहा।

विशेष न्यायाधीश वी. जी. मोहिते ने आरोपियों को भारतीय दंड संहिता की धारा 307 (हत्या का प्रयास), 395 (डकैती) और 397 (घातक हथियार के साथ डकैती) सहित (मकोका) के तहत लगाए गए आरोपों से मुक्त कर दिया। अदालत का 17 फरवरी का आदेश रविवार को सार्वजनिक हुआ।

अभियोजन के अनुसार, 22 जुलाई 2017 को आरोपियों ने भिवंडी में एक शराब ठेके से करीब सात लाख रुपए नकद लेकर जा रही जीप को रोका और उस पर गोलीबारी की। घटना में तीन कर्मचारी घायल हुए थे, जबकि चालक वाहन लेकर मौके से भागने में सफल रहा, जिससे नकदी की लूट नहीं हो सकी।

हालांकि, अदालत ने अपने फैसले में कहा कि आरोपियों को अपराध से सीधे तौर पर जोड़ने वाले साक्ष्य पर्याप्त नहीं थे। न्यायाधीश ने गवाहों के बयानों में विरोधाभास और पहचान संबंधी कमियों का उल्लेख किया। अदालत ने यह भी कहा कि नकदी वास्तव में आरोपियों के कब्जे में नहीं आई और कथित लूट पूरी नहीं हो सकी। फैसले के साथ ही यह मामला कानूनी रूप से समाप्त हो गया, जबकि अभियोजन के लिए यह एक महत्वपूर्ण झटका माना जा रहा है।

अजिंक्य रेडकर बने 'नवी मुंबई महापौर श्री'

नेरूळ के निरंत पाटील ने जीता नमुमपा क्षेत्र श्री खिताब

डीबीडी संवाददाता । नवी मुंबई

राज्यभर के बॉडी बिल्डरों के लिए प्रतिष्ठित 'नवी मुंबई महापौर श्री राज्यस्तरीय शरीरसौष्ठव स्पर्धा 2025-26' और 'नवी मुंबई महानगरपालिका क्षेत्र श्री' प्रतियोगिता का भव्य आयोजन विष्णुदास भावे नाट्यगृह में उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। कोल्हापुर के अजिंक्य रेडकर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 1.5 लाख रुपए की पुरस्कार राशि और 'नवी मुंबई महापौर श्री' का खिताब अपने नाम किया। सोलापुर के पंचाक्षरी लोणार 50 हजार रुपए के साथ उपविजेता रहे।

नवी मुंबई महानगरपालिका क्षेत्र स्तरीय स्पर्धा में 71 प्रतिभागियों में से नेरूळ के निरंत पाटील ने 70 हजार रुपए और ट्रॉफी के साथ विजेता का सम्मान प्राप्त किया। अक्षय पाटील ने 38 हजार रुपए के साथ उपविजेता स्थान हासिल किया। ठाणे के मोहम्मद जमाल को 'मोस्ट इम्प्रूव्ड बॉडी बिल्डर' और रायगढ़ के स्वप्निल सकपाळ को 'बेस्ट पोजर' का पुरस्कार दिया गया। दोनों को 15-15 हजार रुपए और प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए।

199 प्रतिभागियों की भागीदारी

कुल 199 बॉडी बिल्डरों की सहभागिता से प्रतियोगिता सफल रही। उद्घाटन नवी मुंबई की महापौर सुझाता सुरज पाटील के हस्ते हुआ। उन्होंने युवाओं को व्यायाम और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। समापन समारोह में उपमहापौर दशरथ भगत ने बताया कि घणसोली में भव्य क्रीड़ा संकुल स्थापित करने की योजना है और भविष्य में राष्ट्रीय स्तर की शरीरसौष्ठव स्पर्धा आयोजित करने का मनोदय है। प्रतियोगिता शाम 5 बजे से रात 12:15 बजे तक चली, जहां खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों का उत्साह देखने लायक था।

बिल्डर को 10 करोड़ की धमकी

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

महाराष्ट्र के ठाणे शहर में एक वरिष्ठ बिल्डर से 10 करोड़ रुपए की कथित रंगदारी मांगने का मामला सामने आया है। कॉल करने वाले व्यक्ति ने खुद को 'बिश्नोई समूह' से जुड़ा बताया और पैसे न देने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी।

मामले में नौपाड़ा पुलिस थाने में 60 वर्षीय व्यवसायी की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस के अनुसार, 11 फरवरी को जब बिल्डर मध्य प्रदेश में एक धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होने गए थे, तब उनके व्हाट्सऐप नंबर पर कई कॉल आए। कॉल करने वाले ने 10 करोड़ रुपए की मांग करते हुए कहा कि रकम न देने पर उन्हें 'मरने के लिए तैयार' रहना होगा।

शिकायत में यह भी कहा गया है कि कॉलर ने खुद को 'बिश्नोई गैंग' का सदस्य बताया और यहां तक कहा कि वह कॉल रिकॉर्डिंग पुलिस को सौंप सकता है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, 20 फरवरी को फिर से एक अंतरराष्ट्रीय नंबर से चार बार व्हाट्सऐप कॉल करने की कोशिश की गई। कॉल का जवाब न मिलने पर दोपहर 12:29 बजे एक ऑडियो क्लिप भेजी गई, जिसमें जान से मारने की धमकी दी गई थी।

व्हाट्सऐप कॉल में खुद को 'बिश्नोई गैंग' से बताया जुड़ा

वरिष्ठ निरीक्षक अभय चंद्रनाथ महाजन ने बताया कि प्राप्त शिकायत, कॉल डिटेल्स और ऑडियो क्लिप के आधार पर भारतीय न्याय संहिता के तहत जबरन वसूली और आपराधिक धमकी की धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। फिलहाल इस मामले में किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। पुलिस अंतरराष्ट्रीय नंबर और डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान करने का प्रयास कर रही है।

'स्वच्छ जल, स्वच्छ मन' अभियान के तहत शहरभर में सफाई अभियान

डीबीडी संवाददाता । नवी मुंबई

नवी मुंबई में मनपा व संत निरंकारी मिशन के संयुक्त प्रयास

नवी मुंबई महानगरपालिका की ओर से स्वच्छता को जनआंदोलन बनाने के उद्देश्य से रविवार को सार्वजनिक अवकाश के दिन विभिन्न स्थानों पर विशेष सफाई अभियान चलाया गया। संत निरंकारी मिशन के सहयोग से 'अमृत परियोजना' के अंतर्गत 'स्वच्छ जल, स्वच्छ मन' अभियान शहर के कई हिस्सों में व्यापक स्तर पर आयोजित किया गया। इस अभियान में महानगरपालिका के अधिकारी, कर्मचारी और स्वच्छताकर्मी बड़ी संख्या में शामिल हुए। साथ ही संत निरंकारी मिशन के सैकड़ों स्वयंसेवकों ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र 'ज्वेल ऑफ नवी मुंबई' जलाशय परिसर में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। शहर अभियंता शिरीष अरदवाड, अतिरिक्त शहर अभियंता अरविंद शिंदे, घनकचरा प्रबंधन विभाग के उपायुक्त डॉ. अजय गडदे, उपमुख्य स्वच्छता अधिकारी नरेश अंधेर सहित अन्य अधिकारियों और 250 से अधिक स्वयंसेवकों ने मिलकर जलाशय क्षेत्र की गहन सफाई की। नेरूळ विभाग के सहयोग से शिरवणे-जुईनगर स्थित चिंचोली तालाब परिसर में भी सफाई अभियान चलाया गया। यहां 175 से अधिक स्वयंसेवकों ने अधिकारियों के साथ मिलकर परिसर की सफाई की।

वाशी में मिनी सी-शोर की सफाई

वाशी सेक्टर 9 और 10 स्थित मिनी सी-शोर क्षेत्र में भी 150 से अधिक स्वयंसेवकों ने महानगरपालिका कर्मचारियों के साथ सफाई अभियान में भाग लिया। सभी स्थानों से एकत्रित कचरे को विशेष वाहनों द्वारा तुर्भे स्थित घनकचरा प्रबंधन परियोजना स्थल पर प्रसंस्करण के लिए भेजा गया।

गुरुद्वारों के परिसर में भी विशेष स्वच्छता

'हिंद दी चादर' कार्यक्रम के अंतर्गत रविवार को महानगरपालिका क्षेत्र के सातों गुरुद्वारों के परिसर में भी विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस दौरान गुरुद्वारा प्रबंधन समिति के सदस्यों ने भी सक्रिय सहयोग दिया। महानगरपालिका ने कहा कि स्वच्छता केवल प्रशासन की नहीं, बल्कि समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है और ऐसे अभियानों से जनभागीदारी को बढ़ावा मिल रहा है।

खौफनाक मर्डर मिस्ट्री: नदी में फेंका गया बंधा हुआ शव

डीबीडी संवाददाता । नासिक

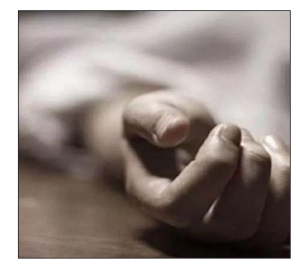

नासिक जिले में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। चांदवड़-निफाड रोड पर परसुल क्षेत्र स्थित परसुली-चिंचोली नदी के पुल के नीचे रविवार सुबह एक अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद होने से पूरे इलाके में दहशत फैल गई। शव की स्थिति ने हत्या की आशंका को और मजबूत कर दिया है। मृतक की उम्र लगभग 35 से 40 वर्ष के बीच बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, परसुल की पुलिस पाटिल ने नदी में शव दिखाई देने की सूचना चांदवड़ पुलिस स्टेशन को दी। सूचना मिलते ही पुलिस निरीक्षक कैलाश वाघ के निर्देशन में सहायक पुलिस निरीक्षक ए.बी. मोरे और उनकी टीम मौके पर पहुंची और शव को पानी से बाहर निकालकर चांदवड़ उप-जिला अस्पताल में पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

पुलिस जांच में सामने आया कि शव पानी में उल्टी अवस्था में तैर रहा था। मृतक की जांघ नायलॉन की रस्सी से बंधी हुई थी और उसकी कमर से 20 से 30 किलो वजनी लोहे के डंबल्स कसकर बांधे गए थे। इसके अलावा उसका मुंह भी कपड़े से बांधा गया था। इन तथ्यों से संकेत मिलता है कि शव को जानबूझकर पानी में डुबोने की कोशिश की गई, जिससे यह मामला सुनियोजित हत्या की ओर इशारा करता है।

पहचान अब भी रहस्य

मृतक ने लाल रंग की हुडी टी-शर्ट और नीले रंग की ट्रैक पैंट पहन रखी थी। पैरों में 9 नंबर की पैरागॉन चप्पल मिली है। फिलहाल उसकी शिनाख्त नहीं हो पाई है और पुलिस आसपास के थानों में दर्ज गुमशुदगी की रिपोर्ट खंगाल रही है। पुलिस ने फिलहाल आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज किया है, लेकिन घटनास्थल से मिले साक्ष्यों के आधार पर हत्या के एंगल से भी जांच जारी है। मामले की विस्तृत जांच सहायक पुलिस निरीक्षक ए.बी. मोरे कर रहे हैं। इस वारदात ने क्षेत्र में भय और सवाल दोनों खड़े कर दिए हैं।

डॉ. कैलाश पवार को 'वंदनीय बाळासाहेब ठाकरे आरोग्यरत्न' पुरस्कार

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

महाराष्ट्र शासन के स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रदान किया जाने वाला प्रतिष्ठित 'वंदनीय बाळासाहेब ठाकरे आरोग्यरत्न' पुरस्कार इस वर्ष ठाणे के सिविल सर्जन डॉ. कैलाश पवार को प्रदान किया गया। यह सम्मान स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान,अनुशासित प्रशासन और मरीजों के प्रति उनकी संवेदनशीलता के लिए दिया गया है।

डॉ. पवार अपनी सख्त और पारदर्शी कार्यशैली के लिए पहचाने जाते हैं। उन्होंने अस्पताल के सभी डॉक्टरों को स्पष्ट निर्देश दे रखे हैं कि मरीजों को बाहर की दवाएं न लिखी जाएं। उनका मानना है कि सरकारी अस्पताल में आने वाला अधिकांश वर्ग आर्थिक रूप से कमजोर होता है, इसलिए उन्हें उपचार और दवाएं अस्पताल परिसर से ही उपलब्ध कराई जानी चाहिए। ठाणे सिविल अस्पताल की विशेषता यह भी है कि इसके आसपास न कोई निजी मेडिकल स्टोर है और न ही कोई जांच केंद्र, फिर भी अस्पताल प्रशासन ने ऐसी व्यवस्था बनाई है कि मरीजों को सभी आवश्यक सुविधाएं यहीं मिल सकें।

कोविड महामारी के दौरान डॉ. पवार के नेतृत्व की व्यापक सराहना हुई थी। कठिन परिस्थितियों में उन्होंने अस्पताल की व्यवस्थाओं को मजबूत किया, स्वास्थ्यकर्मियों का मनोबल बढ़ाया और मरीजों को बेहतर उपचार सुनिश्चित किया। संसाधनों की चुनौतियों के बीच भी अस्पताल ने सेवा की निरंतरता और गुणवत्ता बनाए रखी। डॉ. कैलाश पवार को यह सम्मान देकर न केवल एक कर्तव्यनिष्ठ सिविल सर्जन का गौरव बढ़ाया गया है, बल्कि इस पुरस्कार की प्रतिष्ठा भी और अधिक सशक्त हुई है। स्वास्थ्य सेवा में उनकी प्रतिबद्धता अन्य चिकित्सकों के लिए प्रेरणास्रोत मानी जा रही है।

पुरस्कार मिलने के बाद उन्होंने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि 'आप सभी लोगों को के आशीर्वाद और शुभकामनाओं से आज मुझे महाराष्ट्र शासन के स्वास्थ्य विभाग की ओर से अत्यंत प्रतिष्ठित 'वंदनीय बालासाहेब ठाकरे आरोग्यरत्न' पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह मेरा सौभाग्य है।

3 साल बाद फरार पॉक्सो आरोपी गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता । भाईंदर

भाईंदर पुलिस थाने में 7 नवंबर 2022 को दर्ज पॉक्सो प्रकरण में फरार चल रहे आरोपी को आखिरकार तीन साल बाद गिरफ्तार कर लिया गया। क्राइम ब्रांच यूनिट-1 की टीम ने भिवंडी तालुका क्षेत्र से आरोपी बादल खान को दबोच लिया। शिकायत के अनुसार आरोपी ने पीड़िता को घर में अकेला पाकर उस पर नशीला पदार्थ छिड़का और उसके साथ लैंगिक अत्याचार किया। घटना के बाद वह फरार हो गया और लगातार अपना ठिकाना बदलता रहा, जिससे स्थानीय पुलिस उसे पकड़ने में असफल रही। मामले की गंभीरता को देखते हुए क्राइम ब्रांच यूनिट-1 के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक सुशील शिंदे और उनकी टीम ने जांच अपने हाथ में ली। टीम आरोपी के पैतृक गांव प्रतापगढ़ भी पहुंची, जहां से उसका वास्तविक नाम और अन्य महत्वपूर्ण जानकारी मिली। जांच के दौरान पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि आरोपी ट्रक ड्राइवर के रूप में काम कर रहा है और अहमदाबाद, नासिक, ठाणे व भिवंडी क्षेत्रों में नियमित रूप से ट्रक लेकर आता-जाता है। विश्वसनीय सूत्रों से मिली जानकारी के आधार पर 20 फरवरी को भिवंडी तालुका स्थित अमेज़न गोदाम के पास जाल बिछाया गया।

एमबीवीवी पुलिस भर्ती को बंपर प्रतिसाद

डीबीडी संवाददाता । भाईंदर

921 पदों के लिए करीब 58 हजार आवेदन, दो माह तक चलेगी प्रक्रिया

मीरा भाईंदर वसई विरार पुलिस आयुक्तालय (एमबीवीवी) में तीसरी बार आयोजित हो रही भर्ती प्रक्रिया को युवाओं का जबरदस्त प्रतिसाद मिला है। आयुक्तालय में 921 रिक्त पदों के लिए कुल 57,990 आवेदन प्राप्त हुए हैं। भर्ती पूरी होने के बाद पुलिस बल और अधिक मजबूत होने की उम्मीद है।

भाईंदर (प.) स्थित नेताजी वीर सुभाषचंद्र बोस मैदान में 20 फरवरी से शारीरिक परीक्षण शुरू हुआ। प्रक्रिया को पारदर्शी बनाए रखने के लिए 69 सीसीटीवी कैमरों से फील्ड टेस्ट की वीडियोग्राफी की जा रही है। ऑन-द-स्पॉट अंक घोषित करने, ड्रग टेस्ट और आधुनिक रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन (RFID) तकनीक का उपयोग किया जा रहा है। उम्मीदवारों की सुविधा के लिए पेयजल और मुफ्त बिस्कुट की व्यवस्था की गई है। मैदान के बाहर यातायात व्यवस्था संभालने के लिए विशेष पुलिस टीम तैनात है। पहले दिन 1,000 अभ्यर्थियों ने शारीरिक परीक्षा दी, जबकि अब प्रतिदिन 2,500 उम्मीदवारों का परीक्षण होगा। पूरी प्रक्रिया लगभग दो महीने तक चलेगी।

रिक्त पद और आवेदन का विवरण

कुल आवेदन : 57,990,सिपाही पद के लिए : 39,202 आवेदन,चालक पद के लिए : 18,788 आवेदन,महिला उम्मीदवार : 12,712
ट्रांसजेंडर उम्मीदवार : 5,सिपाही के रिक्त पद : 840,चालक के रिक्त पद : 81

551 अधिकारी-कर्मी तैनात

भर्ती प्रक्रिया के लिए 551 पुलिस अधिकारी और कर्मचारी तैनात किए गए हैं, जिनमें अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, पुलिस उपायुक्त, 6 सहायक पुलिस आयुक्त, 29 पुलिस निरीक्षक, 86 सहायक पुलिस निरीक्षक, 438 पुलिस अधिकारी और 27 पुलिस क्लर्क शामिल हैं। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त दत्तात्रय शिंदे ने कहा कि पूरी प्रक्रिया पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से की जा रही है। यदि किसी प्रकार की गड़बड़ी सामने आती है तो संबंधित के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

चिकित्सा और सहायता व्यवस्था

मीरा-भयंदर नगर निगम द्वारा भर्ती स्थल पर डॉक्टरों, नर्सों और सहायकों की चिकित्सा टीम तैनात की गई है। 100 मीटर और 1600 मीटर दौड़ स्थलों पर भी अलग मेडिकल टीम मौजूद है। परीक्षा से जुड़ी शिकायतों और शंकाओं के समाधान के लिए सहायता डेस्क (शिकायत निवारण प्रकोष्ठ) भी स्थापित किया गया है।

आज से महाराष्ट्र विस का बजट सत्र

'चहापान' पर सियासी तकरार

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा का बजट सत्र सोमवार से शुरू हो रहा है। सत्र की पूर्व संध्या पर आयोजित पारंपरिक 'चहापान' कार्यक्रम में सत्तारूढ़ गठबंधन के नेताओं ने हिस्सा लिया, जबकि विपक्ष ने इसका बहिष्कार कर राजनीतिक संदेश देने की कोशिश की।
कार्यक्रम में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की प्रमुख उपस्थिति रही। सत्तापक्ष ने इसे सदन की कार्यवाही से पहले संवाद और सौहार्द का अवसर बताया, वहीं विपक्ष ने सरकार की नीतियों के विरोध में टी पार्टी से दूरी बनाए रखी।

सत्र की शुरुआत शोक प्रस्ताव से

सूत्रों के अनुसार, सत्र की शुरुआत शोक प्रस्ताव से होने की संभावना है। हाल की घटनाओं के मद्देनज़र सदन में दिवंगत नेताओं को श्रद्धांजलि दी जाएगी। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस बार का सत्र कई मायनों में अहम रहेगा, क्योंकि सरकार को वित्तीय चुनौतियों और विकास योजनाओं के बीच संतुलन साधना होगा।

वित्तीय अनुशासन और विकास पर जोर

सरकार ने अगले पांच वर्षों में महाराष्ट्र की अर्थव्यवस्था को एक ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचाने और दीर्घकालिक रूप से 'विकसित महाराष्ट्र' का लक्ष्य तय किया है। इसके लिए प्रशासनिक सुधारों और वित्तीय अनुशासन पर विशेष जोर दिए जाने की संभावना है। राज्य पर बढ़ते कर्ज और राजकोषीय घाटे को नियंत्रित करना सरकार के सामने बड़ी चुनौती माना जा रहा है। जानकारों का कहना है कि इस बजट में राजस्व बढ़ाने, खर्चों पर नियंत्रण और नई विकास परियोजनाओं के संतुलित क्रियान्वयन पर फोकस किया जा सकता है। सत्र के दौरान विपक्ष महंगाई, बेरोजगारी और कर्ज जैसे मुद्दों को जोर-शोर से उठाने की तैयारी में है, जिससे सदन में तीखी बहस की संभावना बनी हुई है।

ठाणे यार्ड अपग्रेड के लिए मेगा ब्लॉक

15 कोच ट्रेनों का रास्ता साफ

मुलुंड-ठाणे के बीच पांच घंटे का ट्रैफिक ब्लॉक, कई तकनीकी कार्य पूरे

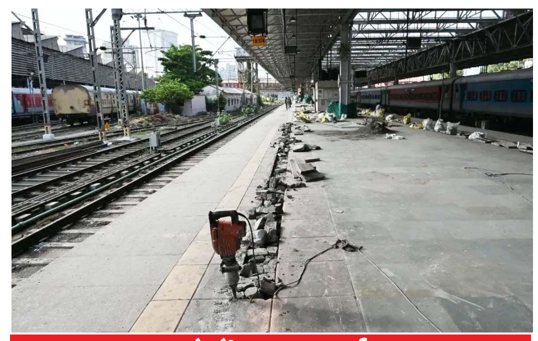

मुंबई। मध्य रेल के मुंबई मंडल ने 22 फरवरी 2026 (रविवार) को मुलुंड और ठाणे स्टेशनों के बीच अप और डाउन स्लो लाइनों पर सुबह 11:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक मेगा ब्लॉक सफलतापूर्वक संचालित किया। इस दौरान ठाणे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म विस्तार और 15 कोच वाली लोकल ट्रेनों के संचालन के लिए यार्ड पुनर्निर्माण से जुड़े अहम कार्य पूरे किए गए। ब्लॉक के दौरान इंजीनियरिंग, ओएचई, सिग्नल एवं दूरसंचार सहित विभिन्न विभागों की संयुक्त टीम ने कई महत्वपूर्ण काम संपन्न किए। इसमें क्रेन की मदद से स्विच और पुलिया हटाना-लगाना, साइडिंग और टैंपिंग कार्य, नए क्रॉसओवर बिछाना, ट्रैक शिफ्टिंग, 80 मीटर नया ट्रैक डालना, संपर्क तारों को पुनः तनाव देना और पॉइंट मशीन व सिग्नल सिस्टम को स्थानांतरित करना शामिल रहा।

ट्रेनों का डायवर्जन

यात्रियों को कम से कम असुविधा हो, इसके लिए ट्रेनों का मार्ग परिवर्तित किया गया ।छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से सुबह 10:04 बजे से दोपहर 3:09 बजे तक चलने वाली डाउन स्लो सेवाओं को मुलुंड और ठाणे के बीच डाउन फास्ट लाइन पर डायवर्ट किया गया। कल्याण जंक्शन रेलवे स्टेशन से सुबह 10:36 बजे से दोपहर 3:24 बजे तक चलने वाली अप स्लो ट्रेनों को ठाणे और मुलुंड के बीच अप फास्ट लाइन से संचालित किया गया।

34 यार्ड पुनर्निर्माण परियोजना का हिस्सा

यह कार्य 34 यार्ड पुनर्निर्माण योजना के तहत किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य मध्य रेल नेटवर्क पर 15 कोच वाली लोकल ट्रेनों की संख्या बढ़ाना है। ठाणे इस परियोजना का प्रमुख स्टेशन है, जहां बुनियादी ढांचे को उन्नत किया जा रहा है ।परियोजना पूरी होने के बाद न केवल 15 कोच ट्रेनों की संख्या बढ़ेगी, बल्कि उनकी स्टेबलिंग और रखरखाव की सुविधा भी बेहतर होगी। मेगा ब्लॉक के दौरान सभी सुरक्षा मानकों का पालन किया गया।

राज्यसभा की एकमात्र जीतने योग्य सीट पर शिवसेना (उबाठा) का दावा

- एमवीए में सीट बंटवारे को लेकर तेज हुई चर्चा
- 16 मार्च को होगा मतदान

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

आगामी राज्यसभा चुनाव को लेकर महाराष्ट्र की सियासत गरमा गई है। संजय राउत ने पार्टी नेता आदित्य ठाकरे के बयान का समर्थन करते हुए कहा कि महा विकास आघाड़ी (एमवीए) में सबसे बड़े घटक के रूप में शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) का गठबंधन की एकमात्र जीतने योग्य सीट पर 'पहला अधिकार' है। राउत ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि पार्टी के रुख में कोई विरोधाभास नहीं है। उन्होंने कहा कि शिवसेना (उबाठा) के पास 20 विधायक हैं, जबकि कांग्रेस के 16 और शरदचंद्र पवार के नेतृत्व वाली राकांपा (शरदचंद्र पवार) के 10 विधायक हैं। ऐसे में राज्यसभा के लिए एमवीए का जो भी उम्मीदवार चुना जाएगा, वह गठबंधन का प्रत्याशी होगा, लेकिन सबसे बड़े घटक के तौर पर पहला दावा शिवसेना (उबाठा) का बनता है।

अप्रैल में खत्म होगा सात सदस्यों का कार्यकाल

अप्रैल में शरद पवार, प्रियंका चतुर्वेदी, फौजिया खान, रामदास आठवले, भागवत कराड, रजनी पाटिल और धैर्यशील पाटिल का राज्यसभा कार्यकाल समाप्त हो रहा है। विधानसभा में मौजूदा संख्या बल के आधार पर विपक्षी एमवीए एक सीट जीतने की स्थिति में माना जा रहा है। इससे पहले आदित्य ठाकरे ने भी स्पष्ट किया था कि विधानसभा की संख्या को देखते हुए राज्यसभा की यह सीट उनकी पार्टी की होनी चाहिए और इस मुद्दे पर एमवीए के भीतर बातचीत होगी। निर्वाचन आयोग 26 फरवरी को सात राज्यसभा सीटों के चुनाव की अधिसूचना जारी करेगा, जबकि मतदान 16 मार्च को होगा। वहीं, सत्तारूढ़ 'महायुति' गठबंधन के पास 232 विधायक हैं और वह संभावित रूप से छह सीटें जीत सकता है। महायुति में भारतीय जनता पार्टी, शिंदे गुट की शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी शामिल हैं।

'बिना विपक्षी नेता के सदन चलाना चाहती है महाराष्ट्र सरकार'

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

शिवसेना यूबीटी के नेता संजय राऊत ने रविवार को राज्य सरकार बिना विपक्षी नेता के बजट सत्र चलाना चाहती है। राऊत ने कहा कि यह लोकतंत्र की प्रथा और परंपराओं के विरुद्ध है।
संजय राऊत ने रविवार को पत्रकारों को बताया कि महाराष्ट्र सरकार का बजट सत्र सोमवार से शुरु हो रहा है। विधानसभा में विपक्षी नेता के लिए हमने विधायक भास्कर जाधव का नाम दिया है, लेकिन विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने इस पर अब तक निर्णय नहीं लिया है। राऊत ने कहा कि इससे पहले मुख्यमंत्री ने कहा था कि सभागृह में विपक्षी नेता की नियुक्ति का अधिकार अध्यक्ष के पास है, वे समय आने पर इसका फैसला करेंगे। संजय राऊत ने कहा कि विधान परिषद में भी विपक्षी नेता पद रिक्त है। परिषद में कांग्रेस के विधायक का नाम दिया गया है, लेकिन विधानपरिषद के सभापति ने भी इस संबंध में निर्णय नहीं लिया है। विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने इस मुद्दे पर कहा था कि विधानसभा में विपक्षी नेता पद के लिए कुल विधायकों के 10 फीसदी विधायकों की जरुरत रहती है। यह आंकड़ा किसी भी विपक्षी दल के पास नहीं है। इसलिए यह पद सबकी सहमति के बाद ही लिया जा सकता है। अध्यक्ष ने कहा था कि बहुत जल्द वे इस संबंध में निर्णय लेंगे। हालांकि, अध्यक्ष ने इस संबंध में कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

अवध एक्सप्रेस में लावारिस बैग से 13.83 करोड़ की चरस जब्त

- बांद्रा टर्मिनस पर आरपीएफ की बड़ी कार्रवाई

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

पश्चिम रेलवे के मुंबई सेंट्रल मंडल के अंतर्गत रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अवध एक्सप्रेस से भारी मात्रा में चरस बरामद की है। बांद्रा टर्मिनस रेलवे स्टेशन पर एक लावारिस बैग से 13.834 किलोग्राम चरस जब्त की गई, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 13 करोड़ 83 लाख 40 हजार रुपये आंकी गई है।
शनिवार सुबह लगभग 4:20 बजे गोरखपुर से पहुंची अवध एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 19038) की लॉकिंग जांच के दौरान ड्यूटी पर तैनात आरक्षक मुकेश मंगवा की नजर गार्ड कोच के पास एक सामान्य डिब्बे में पड़े लावारिस बैग पर पड़ी। संदेह होने पर उन्होंने तुरंत इसकी सूचना ड्यूटी अधिकारी उपनिरीक्षक प्रभाकर राव को दी।

डॉग स्क्वॉड और फॉरेंसिक टीम की मदद

मामले की जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई, जिसके बाद आरपीएफ, जीआरपी, डॉग स्क्वॉड और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। नार्को स्पेशलिस्ट डॉग 'टेंगा' और जीआरपी के डॉग 'रॉकी' की मदद से जांच की गई, जिसमें बैग में मादक पदार्थ होने की पुष्टि हुई।

31 पैकेट में छिपाई गई थी चरस

बैग खोलने पर उसमें 31 पैकेट मिले, जिनमें कुल 13.834 किलोग्राम चरस बरामद हुई। पूरी कार्रवाई की वीडियोग्राफी की गई। जब्त मादक पदार्थ को आगे की कानूनी प्रक्रिया के लिए बांद्रा जीआरपी को सौंप दिया गया है। जीआरपी ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पम्प हाउस का गेट लांघते समय युवक का हाथ लोहे की रॉड में धंसा

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

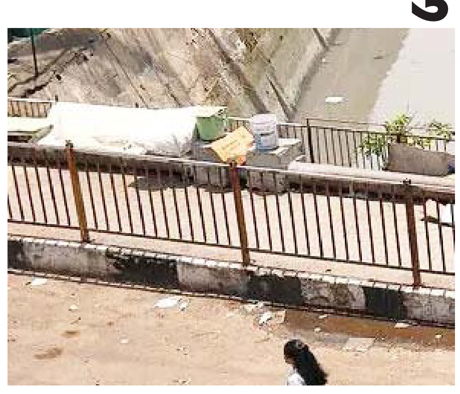

विक्रोली इलाके में शनिवार देर रात एक दर्दनाक हादसा सामने आया, जब बीएमसी के पम्प हाउस परिसर में घुसने की कोशिश कर रहे एक युवक का हाथ गेट की नुकीली लोहे की रॉड में आर-पार धंस गया। घटना रात करीब 2:30 से 3:00 बजे के बीच की बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, पम्प हाउस के भीतर से चीखने की आवाज सुनकर लोग मौके पर पहुंचे तो करीब 30 वर्षीय आतिश शेवाले गेट पर फंसा हुआ था। लोहे की मोटी रॉड उसके हाथ को चीरते हुए निकल गई थी और वह दर्द से कराह रहा था।

ग्राइंडर से काटना पड़ा गेट

स्थानीय लोगों ने तुरंत ग्राइंडर मशीन का इंतजाम किया। करीब 25-30 मिनट की कोशिश के बाद गेट के हिस्से को काटकर युवक को रॉड समेत मुक्त कराया गया। कटाई के दौरान रॉड काफी गर्म हो गई थी, जिसे गीले कपड़ों से ठंडा किया गया। इसके बाद पुलिस की मदद से घायल को घाटकोपर स्थित राजावाड़ी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

पुलिस की प्राथमिक जांच

पार्क साइट पुलिस के अनुसार शुरुआती जांच में पता चला है कि युवक नशे की हालत में था और 6 फीट ऊंचे गेट को फांदने की कोशिश में उसका संतुलन बिगड़ गया। प्राथमिक उपचार के बाद उसे अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। फिलहाल इस मामले में कोई एफआईआर दर्ज नहीं की गई है। घटना के बाद स्थानीय स्तर पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठने लगे हैं। देर रात संवेदनशील पम्प हाउस परिसर में कोई सुरक्षा कर्मी मौजूद क्यों नहीं था और युवक वहां किस उद्देश्य से जा रहा था—यह अब भी स्पष्ट नहीं है। हालांकि प्रशासन की ओर से कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है।

राजावाड़ी अस्पताल में महापौर रितु तावड़े का अचानक दौरा

- दवा आपूर्ति पर जताई नाराजगी

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई की महापौर रितु तावड़े ने शनिवार को घाटकोपर स्थित राजावाड़ी अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। बिना पूर्व सूचना पहुंचे इस दौरे में उन्होंने अस्पताल में मिल रही स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति का जायजा लिया और मरीजों व उनके परिजनों से सीधे बातचीत कर समस्याएं सुनीं।

वार्डों का किया विस्तृत निरीक्षण

महापौर ने महिला वार्ड, पुरुष वार्ड, मैटरनिटी वार्ड, एंटीनेटल वार्ड, पीडियाट्रिक विभाग और सर्जरी वार्ड का निरीक्षण किया। कई मरीजों ने शिकायत की कि कुछ दवाइयां उन्हें अस्पताल के बाहर से खरीदनी पड़ रही हैं। इस पर महापौर ने नाराजगी जताते हुए दवाओं और टीकों की उपलब्धता का रिकॉर्ड तत्काल जांचा।

दवा और टीके के स्टॉक पर सख्ती

रितु तावड़े ने निर्देश दिए कि अस्पताल में आवश्यक दवाओं और टीकों का पर्याप्त स्टॉक हमेशा उपलब्ध रहे। उन्होंने यह भी पूछा कि गंभीर बीमारियों के इंजेक्शन की आपूर्ति में देरी क्यों हो रही है और संबंधित अधिकारियों की तुरंत बैठक बुलाने को कहा। साथ ही दवा आपूर्ति में आ रही रुकावटों पर विस्तृत रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए।

रीडेवलपमेंट कार्य पर भी नजर

महापौर ने अस्पताल के रीडेवलपमेंट के पहले चरण के कार्यों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण क्षेत्र को पूरी तरह कवर करने और धूल प्रदूषण रोकने के लिए तत्काल उपाय करने को कहा, ताकि मरीजों की सुरक्षा से कोई समझौता न हो।

पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद पवार की तबीयत फिर बिगड़ी

मुंबई। पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद पवार की रविवार को फिर से तबीयत बिगड़ गई, जिसके बाद उन्हें पुणे के रुबी हॉल क्लिनिक अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। शरद पवार अगले दो दिन तक इसी हॉस्पिटल में रहेंगे।रुबी हॉल क्लिनिक अस्पताल के डॉक्टर ने बताया कि शरद पवार को उल्टी की वजह से डिहाइड्रेशन हो गया है। इसलिए अगले दो दिन तक इसी हॉस्पिटल में रहकर इलाज करवाएंगे। शरद पवार की तबीयत अब पूरी तरह से स्थिर और ठीक है।

शरद पवार की बेटी और सांसद सुप्रिया सुले ने बताया कि शरद पवार को आज अचानक उल्टी हुई, जिससे वे असहज महसूस करने लगे। इसके बाद तत्काल रुबी हॉल क्लिनिक के डॉक्टरों को बुलाया गया। डॉक्टरों की सलाह पर शरद पवार को फिर से अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। सुप्रिया सुले ने कार्यकर्ताओं को अस्पताल में न आने की अपील की है। शरद पवार को हाल ही में रुबी अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। इसी अस्पताल से 14 फरवरी को शरद पवार को डिस्चार्ज किया गया था। अस्पताल में शरद पवार का सीटी स्कैन सहित अन्य जरुरी जांच की गई है। डॉक्टरों ने शरद पवार को आराम करने की सलाह दी है।

दांपत्य संबंध न बनने पर फैमिली कोर्ट ने विवाह किया निरस्त

- पुणे में सामने आया अनोखा मामला

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे में स्थित फैमिली कोर्ट ने एक अहम फैसले में विवाह को इस आधार पर निरस्त कर दिया कि शादी के बाद पति-पत्नी के बीच कभी शारीरिक संबंध स्थापित नहीं हुए। अदालत के इस निर्णय ने वैवाहिक अधिकारों और दांपत्य संबंधों को लेकर कानूनी हलकों में चर्चा छेड़ दी है।
मामले के अनुसार, दंपति ने आपसी सहमति से रजिस्टर्ड मैरिज की थी। शादी के बाद दुल्हन ससुराल पहुंची, लेकिन पत्नी का आरोप है कि पति ने शुरुआत से ही शारीरिक संबंध बनाने से दूरी बनाए रखी। पहले पत्नी को लगा कि यह झिझक या संकोच हो सकता है, लेकिन समय बीतने के बाद भी स्थिति में कोई बदलाव नहीं आया।पत्नी ने दावा किया कि पति उसके साथ सामान्य वैवाहिक जीवन जीने के इच्छुक नहीं थे और विवाह केवल औपचारिकता बनकर रह गया था।

अदालत में दायर की याचिका

स्थिति से परेशान होकर महिला मायके लौट आई और विवाह निरस्त करने के लिए फैमिली कोर्ट में याचिका दायर की। याचिका में कहा गया कि पति ने कभी दांपत्य संबंध स्थापित नहीं किए, जिससे विवाह का मूल उद्देश्य ही पूरा नहीं हुआ ।सुनवाई के दौरान पति ने अपने लिखित बयान में स्वीकार किया कि दोनों के बीच कभी शारीरिक संबंध स्थापित नहीं हो पाए। मामले में तथ्यों पर स्पष्टता आने के बाद लंबी बहस या साक्ष्य की आवश्यकता नहीं पड़ी।

कोर्ट का फैसला

मामले की सुनवाई करते हुए जज बी. डी. कदम ने सभी तथ्यों पर विचार किया और विवाह को कानूनी रूप से निरस्त कर दिया। अदालत ने माना कि दांपत्य संबंधों का पूर्ण अभाव विवाह निरस्तीकरण का आधार हो सकता है ।इस फैसले को वैवाहिक अधिकारों और कानूनी प्रावधानों के संदर्भ में महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि यह स्पष्ट करता है कि विवाह केवल औपचारिक संबंध नहीं, बल्कि वैधानिक और सामाजिक जिम्मेदारियों का बंधन है।

संपादकीय

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले की गूंज

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट द्वारा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के व्यापक टैरिफ (आयात शुल्क) को असंवैधानिक घोषित करने का फैसला वैश्विक अर्थव्यवस्था और अमेरिकी राजनीति के इतिहास में एक निर्णायक मोड़ के रूप में दर्ज किया जाएगा। 6-3 के बहुमत से आए इस निर्णय ने न केवल ट्रम्प प्रशासन के 'अमेरिका फर्स्ट' एजेंडे की मुख्य धुरी को हिला दिया है, बल्कि राष्ट्रपति की कार्यकारी शक्तियों की संवैधानिक सीमाओं को भी पुनः रेखांकित किया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि 1977 के 'इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर्स एक्ट' (IEEPA) का उपयोग राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर असीमित आर्थिक नियंत्रण के लिए नहीं किया जा सकता। यह फैसला लोकतांत्रिक संस्थाओं की मजबूती का प्रमाण है, जिसने यह सिद्ध कर दिया कि अमेरिकी संविधान के तहत कर (टैक्स) लगाने और व्यापार को विनियमित करने का प्राथमिक अधिकार संसद (कांग्रेस) के पास है, न कि व्हाइट हाउस के पास। इस फैसले ने कार्यकारी शाखा द्वारा विधायी शक्तियों के अतिक्रमण पर एक कड़ा अंकुश लगाया है। ट्रम्प सरकार के लिए यह निर्णय एक बहुत बड़ा राजनीतिक और आर्थिक झटका है, जो उनके दूसरे कार्यकाल की शुरुआत में ही एक बड़ी बाधा बनकर उभरा है। प्रशासन ने इन टैरिफ के माध्यम से लगभग 1.4 ट्रिलियन डॉलर के राजस्व का अनुमान लगाया था, जिसे घरेलू करों में कटौती और राष्ट्रीय ऋण कम करने के लिए आधार बनाया जाना था। अब इस वित्तीय योजना पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं, क्योंकि बिना संसदीय अनुमति के राजस्व का यह विशाल स्रोत बंद हो गया है। हालांकि, ट्रम्प ने हार न मानते हुए तुरंत 1974 के ट्रेड एक्ट की धारा 122 के तहत 10% से 15% के नए 'अस्थायी अधिभार' (Surcharge) की घोषणा कर दी है, लेकिन यह केवल 150 दिनों के लिए प्रभावी है। न्यायपालिका और कार्यपालिका के बीच का यह टकराव आने वाले समय में एक बड़े संवैधानिक संकट का रूप ले सकता है, जिससे ट्रम्प के अन्य नीतिगत फैसलों पर भी कानूनी चुनौतियों का खतरा बढ़ गया है। वैश्विक स्तर पर इस फैसले का असर अत्यंत व्यापक और तात्कालिक रहा है। भारत, चीन, कनाडा और मैक्सिको जैसे देशों के लिए, जो अमेरिकी टैरिफ की सीधी मार झेल रहे थे, यह एक बड़ी कूटनीतिक और आर्थिक राहत है। वैश्विक बाजारों में इस खबर के बाद से सकारात्मक रुझान देखा गया है क्योंकि टैरिफ हटने से अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति श्रृंखला (Supply Chain) की लागत कम होगी, जिससे वैश्विक महंगाई दर में गिरावट आने की उम्मीद है। भारत के संदर्भ में, स्टील, एल्युमीनियम और आईटी सेवाओं जैसे क्षेत्रों के निर्यातकों ने राहत की सांस ली है। हालांकि, ट्रम्प द्वारा घोषित नए 'अस्थायी अधिभार' ने व्यापारिक जगत को पूरी तरह आश्वस्त होने से रोक दिया है। दुनिया अब यह समझ चुकी है कि अमेरिका की व्यापारिक नीति अब संधियों के बजाय अदालती फैसलों और राष्ट्रपति के विशेष अधिकारों के बीच झूलती रहेगी, जिससे दीर्घकालिक निवेश योजनाएं प्रभावित हो सकती हैं। अंततः, सुप्रीम कोर्ट का यह हस्तक्षेप वैश्विक व्यापारिक अराजकता को रोकने के लिए एक आवश्यक 'ब्रेक' की तरह कार्य करेगा। मुख्य न्यायाधीश जॉन रॉबर्ट्स की यह टिप्पणी कि ₹अमेरिका हर समय हर देश के साथ युद्ध की स्थिति में नहीं है,₹ प्रशासन की उस मानसिकता पर करारी चोट है जो व्यापार को कूटनीतिक हथियार की तरह इस्तेमाल कर रही थी। यह सम्पादकीय इस बात पर जोर देता है कि आर्थिक स्थिरता के लिए नियमों पर आधारित वैश्विक व्यापार प्रणाली का होना अनिवार्य है। ट्रम्प सरकार को अब यह समझना होगा कि वैश्विक व्यापार युद्ध की जिद में वे अपनी ही संवैधानिक संस्थाओं के खिलाफ खड़े हो रहे हैं। भविष्य में व्यापारिक सुगमता तभी संभव है जब अमेरिका अपने आंतरिक शक्ति संतुलन का सम्मान करे और वैश्विक समुदायों के साथ एक पारदर्शी आर्थिक संबंध साझा करे।

क्या हम केवल जीवित हैं या जी रहे हैं...!

ज्योति अग्रवाल

स्नातक (B.Sc) एवं परास्नातक (M.A) की शिक्षा प्राप्त की है तथा राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (NET) उत्तीर्ण की है। राज्य सेवा एवं केंद्रीय सेवा में कार्य करने का व्यापक अनुभव है। वर्तमान में अतिरिक्त आयुक्त, सीमा शुल्क, मुंबई के पद पर कार्यरत हैं।

बचपन की दहलीज पर खड़े होकर हम अक्सर यह कल्पना करते थे कि वयस्क होना अनिवार्य रूप से 'स्वतंत्रता' का पर्याय है। वह एक मासूम विश्वास था कि जैसे ही शिक्षा के कड़े अनुशासन से मुक्ति मिलेगी और एक स्थिर आजीविका हाथ में होगी, जीवन की अनवरत भागदौड़ अचानक एक शांत झील में तब्दील हो जाएगी। हमने उन सुनहरे दिनों के ख्वाब बुने थे जहां पुराने दोस्तों के साथ घंटों लंबी चर्चाएं होंगी, परिवार के साथ बिना किसी घड़ी की टिक-टिक के रात का खाना होगा, विदेशों की बेफिक्र सैर होगी और वे तमाम अधूरे शौक, जो स्कूल की किताबों के बोझ तले दब गए थे, फिर से पल्लवित होंगे। लेकिन जैसे ही हम महत्त्वाकांक्षा और उपलब्धि के वास्तविक धरातल पर उतरे, समय हमारी बंद मुट्ठी से रेत की तरह फिसल गया।

आज का सुविधाओं से भरा शहरी जीवन पूरी तरह यांत्रिक और नीरस सा नजर आ रहा है — सुबह के अलार्म से लेकर रात की थकान तक, हम बस एक चक्र में घूम रहे हैं। चाहे कोई कॉर्पोरेट जगत का दिग्गज हो, एक संघर्षशील उद्यमी, एक समर्पित गृहिणी या छोटा व्यापारी, सरकारी नौकर या अधिकारी हर किसी की व्यथा एक जैसी है। जिम्मेदारियां अब शिष्टाचार के साथ दस्तक नहीं देतीं, बल्कि वे हमारे जीवन के ड्राइंग रूम में स्थायी रूप से डेरा डाल चुकी हैं। हम अपने कार्यक्षेत्र में बॉस के प्रति जवाबदेह हैं, घर में बच्चों के प्रति उत्तरदायी हैं, और वृद्ध माता-पिता के लिए एकमात्र सहारा हैं, लेकिन इस पूरी फेहरिस्त में हम खुद के लिए कहीं उपलब्ध नहीं हैं। विडंबना यह नहीं है कि हमारे पास चौबीस घंटे कम पड़ रहे हैं, बल्कि त्रासदी यह है कि इन घंटों के भीतर हम मानसिक रूप से 'आजाद' महसूस नहीं करते। हमने अपनी सहजता को 'अनिवार्यता' की वेदी पर कुर्बान कर दिया है।

दरअसल, आज हमारी स्वतंत्रता का स्थान एक अदृश्य और भारी 'कर्तव्य बोध' ने ले लिया है, जिसने हमें थकावट के एक ऐसे भंवर में डाल दिया है, जहां से निकलना असंभव प्रतीत होता है। किसी पुराने प्रिय मित्र से मिलने की एक छोटी-सी योजना भी अब मात्र एक इच्छा नहीं, बल्कि कैलेंडरों के बीच एक जटिल सौदेबाजी बन गई है—जहां डेडलाइन, ट्रैफिक और शरीर की टूटती ऊर्जा के बीच हर पल मोलभाव होता है। यदि संयोगवश कुछ घंटे मिल भी जाएं, तो वह मानसिक स्फूर्ति गायब होती है, जो कभी हमारी पहचान थी। हमारे वीकेंड्स, जो कभी उल्लास और मनोरंजन के प्रतीक हुआ करते थे, अब केवल 'रिकवरी पीरियड' बनकर रह गए हैं, जहां हम आने वाले सोमवार की जंग के लिए खुद को तैयार करते हैं। घरों के भीतर का दृश्य और भी विचलित करने वाला है; पति-पत्नी एक ही छत के नीचे रहते हुए भी अजनबियों की तरह व्यवहार करते हैं क्योंकि संवाद की जगह थकान ने ले ली है। बच्चे एक ही कमरे में होते हैं, लेकिन वे अपनी डिजिटल आभासी दुनिया के बंद कमरों में कैद हैं, जहां वे रीयल (Real) नहीं बल्कि रील्स (Reels) के जरिए दुनिया देख रहे हैं। माता-पिता उन मुलाकातों की बाट जोहते रहते हैं जिन्हें हम 'अत्यधिक व्यस्तता' का एक सम्मानजनक मुलम्मा चढ़ाकर अगली तिमाही के लिए टाल देते हैं। हमने अनजाने में एक ऐसी जीवनशैली को अपना लिया है जहां उपस्थिति तो भौतिक है, लेकिन जीवंतता पूरी तरह नदारद है। इस निरंतर मचलती आधुनिकता के बीच एक 'मौन चोर' ने हमारी बची-कुची संवेदनाओं पर भी डाका डाला है—और वह है निरंतर डिजिटल जुड़ाव। इंटरनेट और सोशल मीडिया के अंतहीन प्रवाह ने हमारे दिन के उन छोटे-छोटे अनमोल क्षणों को इतनी सूक्ष्मता से सोख लिया है कि हमें अपने मानसिक दीवालियेपन का अहसास तक नहीं होता। हम सात समंदर पार बैठे अजनबियों की तस्वीरों पर प्रतिक्रिया देते हैं, अनजान प्रोफाइल के साथ वैचारिक युद्ध लड़ते हैं, और उन लोगों के जीवन की पल-पल की खबर रखते हैं जिनसे हमारा वास्तव में कोई सरोकार नहीं है। लेकिन इसके उलट, जो लोग हमारे जीवन की धड़कन हैं, जो हमारे ठीक बगल में सोफे पर बैठे हैं, वे अक्सर हमारी 'बाद में' वाली प्राथमिकता की सूची में सबसे नीचे रह जाते हैं। हम एक ऐसी सभ्यता की ओर बढ़ रहे हैं जो 'हाइपर-कनेक्टेड' तो है, लेकिन भावनात्मक रूप से पूरी तरह बंजर हो चुकी है।

> हम सात समंदर पार बैठे अजनबियों की तस्वीरों पर प्रतिक्रिया देते हैं, अनजान प्रोफाइल के साथ वैचारिक युद्ध लड़ते हैं, और उन लोगों के जीवन की पल-पल की खबर रखते हैं जिनसे हमारा वास्तव में कोई सरोकार नहीं है। लेकिन इसके उलट, जो लोग हमारे जीवन की धड़कन हैं, जो हमारे ठीक बगल में सोफे पर बैठे हैं, वे अक्सर हमारी 'बाद में' वाली प्राथमिकता की सूची में सबसे नीचे रह जाते हैं। हम एक ऐसी सभ्यता की ओर बढ़ रहे हैं जो 'हाइपर-कनेक्टेड' तो है, लेकिन भावनात्मक रूप से पूरी तरह बंजर हो चुकी है। अंततः, समाधान इस आधुनिक जीवन को त्यागने या अपनी महत्त्वाकांक्षाओं को तिलांजलि देने में नहीं है, बल्कि समय पर अपना खोया हुआ संप्रभु अधिकार फिर से स्थापित करने में है। समय कोई ऐसी वस्तु नहीं है जो स्वतः उत्पन्न होगी; इसे सचेत प्रयासों से 'निर्मित' करना होगा।

अब जब कुछ ही समय में हमने डिजिटल संसार को समझ लिया है, तब यह आत्म-मंथन करना अनिवार्य हो जाता है कि क्या हम सचमुच इतने व्यस्त हैं, या हमने अपनी प्राथमिकताओं को ही विस्मृत कर दिया है? क्या हम वास्तव में एक जटिल समाज का हिस्सा हैं, या हमने अपनी चेतना को एक रोबोटिक सांचे में ढालने की मूक सहमति दे दी है? व्यावसायिक संवृद्धि और सामाजिक प्रतिष्ठा की अंधी दौड़ में, हम उस मौलिक सत्य को भूल गए हैं कि जीवन खंडों में विभाजित कोई वस्तु नहीं है जिसे काम, परिवार और समाज के अलग-अलग बक्सों में बंद किया जा सके। जीवन एक समग्र अनुभव है, और यह वर्तमान क्षण कोई रिहर्सल नहीं, बल्कि हमारा मुख्य मंचन है। अंततः, समाधान इस आधुनिक जीवन को त्यागने या अपनी महत्त्वाकांक्षाओं को तिलांजलि देने में नहीं है, बल्कि समय पर अपना खोया हुआ संप्रभु अधिकार फिर से स्थापित करने में है। समय कोई ऐसी वस्तु नहीं है जो स्वतः उत्पन्न होगी; इसे सचेत प्रयासों से 'निर्मित' करना होगा। हमें अपने जीवन में कुछ अनुष्ठानों की पवित्रता को वापस लाना होगा—चाहे वह महीने में एक बार दोस्तों के साथ बिना फोन वाली मुलाकात हो, या हर तीन महीने में माता-पिता के पास जाकर उनके बचपन के किस्से सुनने की प्रतिबद्धता हो। घर के भीतर 'डिजिटल उपवास' या 'नो-स्क्रीन आवर्स' को लागू करना अब विकल्प नहीं, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य की अनिवार्यता बन गया है।

हमें अपने जीवनसाथी के साथ संवाद को उतना ही औपचारिक और गंभीर सम्मान देना होगा, जितना हम अपनी महत्वपूर्ण बोर्ड मीटिंग्स को देते हैं। सुबह की एक साथ सैर, शाम की चाय का एक सुकून भरा प्याला, या बिना किसी व्यवधान के किया गया सामूहिक रात्रिभोज—ये वे छोटे निवेश हैं, जिनका लाभांश एक सुखी जीवन के रूप में मिलता है। याद रहे, आधुनिक दुनिया की रफ्तार कभी कम नहीं होगी, यह केवल और तीव्र होती जाएगी, लेकिन अपनी गति और दिशा का चुनाव हमारे हाथों में है। जब हम इस जीवन के अंतिम पड़ाव पर पीछे मुड़कर देखेंगे, तब सफलता का पैमाना यह नहीं होगा कि हमारे पास कितनी डिग्रियाँ थीं या हमने कितने घंटे ओवरटाइम किया, बल्कि यह होगा कि हमने कितने रिश्तों को गहराई से सींचा और हमने कितने क्षणों को पूरी चेतना के साथ 'जिया' है। शोर से कटकर खुद से और अपनों से जुड़ने की यात्रा आज और अभी से शुरू होनी चाहिए।

शख्सियत | सर अनिरुद्ध जगन्नाथ

आधुनिक मॉरीशस के शिल्पी

सर अनिरुद्ध जगन्नाथ केवल मॉरीशस के एक सर अनिरुद्ध जगन्नाथ नहीं थे, बल्कि वे आधुनिक मॉरीशस के निर्माता और 'आर्थिक चमत्कार' के सूत्रधार थे। उनका जन्म उनतीस मार्च उन्नीस सौ तीस को हुआ था, लेकिन उनके राजनीतिक जीवन का प्रभाव इतना गहरा है कि उन्हें मॉरीशस का 'पितामह' कहा जाता है।

एक साधारण परिवार से निकलकर देश के सर्वोच्च पद तक पहुँचने की उनकी यात्रा संघर्ष, दूरदर्शिता और अटूट इच्छाशक्ति की मिसाल है।अनिरुद्ध जगन्नाथ का जन्म मॉरीशस के एक भारतीय मूल के परिवार में हुआ था। उनके पूर्वज भारत के उत्तर प्रदेश और बिहार क्षेत्र से गिरमिटिया मजदूर के रूप में वहां गए थे। अपनी प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा मॉरीशस में पूरी करने के बाद, वे कानून की पढ़ाई के लिए यूनाइटेड किंगडम चले गए। लंदन के 'लिंकन इन' से बैरिस्टर की डिग्री हासिल करने के बाद, उन्होंने मॉरीशस लौटकर वकालत शुरू की। उनकी कानूनी समझ और निष्पक्ष न्याय के प्रति उनके जुनून ने जल्द ही उन्हें राजनीति की ओर मोड़ दिया। जगन्नाथ का राजनीतिक सफर उन्नीस सौ साठ के दशक में शुरू हुआ जब वे विधान परिषद के लिए चुने गए। हालाँकि, उनकी असली पहचान तब बनी जब उन्होंने उन्नीस सौ बयासी में पहली बार प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली। वे मॉरीशस के इतिहास में सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले नेताओं में से एक रहे। उन्होंने अठारह वर्षों से अधिक समय तक प्रधानमंत्री और नौ वर्षों तक राष्ट्रपति के रूप में देश का नेतृत्व किया। उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि 'मॉरीशस आर्थिक चमत्कार' माना जाता है। उन्नीस सौ अस्सी के दशक में जब मॉरीशस बेरोजगारी और आर्थिक अस्थिरता से जूझ रहा था, तब जगन्नाथ ने कड़े आर्थिक सुधार लागू किए। उन्होंने देश की अर्थव्यवस्था को केवल चीनी निर्यात पर निर्भर रहने के बजाय विनिर्माण (कपड़ा उद्योग), पर्यटन और वित्तीय सेवाओं की ओर मोड़ा। उनके शासनकाल में मॉरीशस एक निम्न-आय वाले कृषि प्रधान देश से बदलकर अफ्रीका के सबसे समृद्ध और विकसित देशों की श्रेणी में खड़ा हो गया। अनिरुद्ध जगन्नाथ भारत के सच्चे मित्र और समर्थक थे। उनके कार्यकाल में भारत और मॉरीशस के संबंध 'रक्त के संबंधों' से बढ़कर रणनीतिक साझेदारी में बदले। उन्हें भारत सरकार द्वारा 'प्रवासी भारतीय सम्मान' और भारत के दूसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'पद्म विभूषण' से सम्मानित किया गया। अंतर्राष्ट्रीय मंच पर वे एक निडर नेता थे। उन्होंने 'चागोस द्वीप समूह' पर मॉरीशस की संप्रभुता के लिए ब्रिटेन और अमेरिका जैसे शक्तिशाली देशों के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय में लंबी कानूनी लड़ाई लड़ी। उनका मानना था कि औपनिवेशिक विरासत को जड़ से मिटाना ही सच्ची आजादी है। सर अनिरुद्ध जगन्नाथ का व्यक्तित्व अनुशासन और सादगी का संगम था। वे अपनी स्पष्टवादिता और सख्त प्रशासनिक शैली के लिए जाने जाते थे। उन्होंने मॉरीशस में लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत किया और एक बहुसांस्कृतिक समाज में सांप्रदायिक सद्भाव बनाए रखा। उनके पुत्र, प्रविंद जगन्नाथ, ने उनकी राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ाया और मॉरीशस के प्रधानमंत्री बने।

जीवन ऊर्जा

संत गाडगे बाबा : जन्म 23 फरवरी 1876 | जन्म

महान समाज सुधारक संत गाडगे बाबा का जन्म 23 फरवरी, 1876 को अमरावती, महाराष्ट्र में हुआ था। उन्होंने स्वच्छता और शिक्षा को ही सच्ची ईश्वर भक्ति माना। उन्होंने हाथों में झाड़ू लेकर न केवल समाज की गंदगी साफ की, बल्कि अपने कीर्तनों के माध्यम से छुआछूत और अंधविश्वास का कड़ा विरोध भी किया। वे दीन-दुखियों की सेवा के जीवंत प्रतीक थे। उनका निधन 20 दिसंबर, 1956 को हुआ।

धर्म का अर्थ है—परोपकार, दया और क्षमा

संत गाडगे बाबा के जीवन दर्शन को दर्शाते 35 अनमोल विचार यहाँ एक अनुच्छेद में प्रस्तुत हैं:

शिक्षा वह दूध है जिसे पीकर कोई भी शेर की तरह दहाड़ सकता है, इसलिए भूखे रहो पर बच्चों को जरूर पढ़ाओ। मंदिर में जाने से बेहतर है किसी गरीब के मुँह में निवाला डालना। पत्थर की मूर्तियों को भोग लगाने के बजाय प्यासे को पानी पिलाओ। हाथ में झाड़ू पकड़ना शर्म की बात नहीं, बल्कि गंदगी में रहना शर्म की बात है। कर्ज लेकर घी मत पियो और न ही कर्ज लेकर मृत्यु भोज करो। अंधविश्वास इंसान को मानसिक रूप से गुलाम बना देता है, इससे दूर रहो। अपने घर के साथ-साथ मोहल्ले की सफाई भी खुद करो। दीन-दुखियों की सेवा ही सच्ची तीर्थ यात्रा है। व्यसन मनुष्य का और उसके परिवार का नाश कर देते हैं, नशे से हमेशा बचो। चोरी करना पाप है, लेकिन मेहनत की रोटी खाना सबसे बड़ा पुण्य है। भगवान को मूर्तियों में नहीं, बल्कि इंसानियत में खोजो। अनाथों को सहारा दो और अपंगों की मदद करो। सादगी में ही असली सुंदरता और शांति है। जो दूसरों का भला करता है, ईश्वर उसका भला स्वयं करता है। ज्ञान की ज्योति ही अज्ञानता के अंधेरे को मिटा सकती है। जानवरों पर दया करो, उन्हें मारना कायरता है। जात-पात का भेदभाव समाज को खोखला कर देता है, इसे जड़ से मिटाओ। साक्षरता ही गरीबी से लड़ने का सबसे प्रभावी हथियार है। आलस्य मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु है, सदैव कर्मशील रहो। दूसरों की निंदा करने के बजाय अपनी कमियों को सुधारो। चरित्रहीन व्यक्ति बिना नींव के मकान जैसा है। धर्म का अर्थ है—परोपकार, दया और क्षमा। अपने पसीने की कमाई पर ही विश्वास करो। प्रार्थना केवल होंठों से नहीं, बल्कि कर्मों से होनी चाहिए। स्वच्छता केवल शरीर की नहीं, मन की भी होनी चाहिए। बच्चों को अच्छे संस्कार दो, वे ही देश का भविष्य हैं। पेड़ लगाओ और प्रकृति की रक्षा करो। किसी का दिल दुखाना सबसे बड़ा अपराध है।

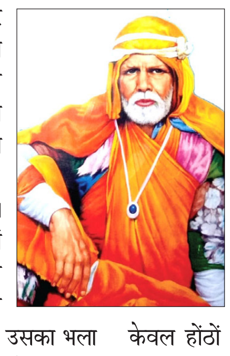

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्यप्रदेश

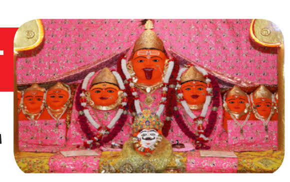

सत्य की बुनियाद और झूठ के खंडहर

यह कहानी केवल एक पौराणिक कथा मात्र नहीं है, बल्कि जीवन के उस शाश्वत सत्य का आईना है जिसे हम अक्सर अपनी महत्त्वाकांक्षाओं के शोर में भूल जाते हैं। ₹बुराई की ईंटें और सच्चाई की बुनियाद₹ शीर्षक वाला यह लेख हमें सिखाता है कि सफलता केवल ऊँचाई का नाम नहीं है, बल्कि उस आधार की मजबूती का नाम है जिस पर वह टिकी है। कहानी में बुरी आत्माओं ने 'बुरे कर्मों' से बनी ईंटों का चुनाव इसलिए किया क्योंकि उनकी संख्या अधिक थी। यह आज के प्रतिस्पर्धी युग का सटीक चित्रण है। अक्सर हमें लगता है कि शॉर्टकट, झूठ या दूसरों का अहित करके हम जल्दी सफलता प्राप्त कर सकते हैं। बुराई का रास्ता शुरुआत में बहुत फलदायी और आकर्षक लगता है। जैसे बुरी आत्माओं ने देखते ही देखते विशाल महल खड़ा कर लिया, वैसे ही अनैतिक मार्ग पर चलने वाले लोग भी समाज में तेजी से आगे बढ़ते दिखाई देते हैं। लेकिन यह प्रगति रेत की दीवार जैसी होती है। जो वस्तु बुराई से उपजी है, उसका मूल स्वभाव ही 'विनाश' है। जैसे ही व्यक्ति अपने किए का फल भुगतता है या पश्चात्ताप करता है, उस बुराई से बनी सफलता की ईंटें ढहने लगती हैं। इसके विपरीत, अच्छी आत्माओं का शहर धीरे-धीरे बन रहा था। सच्चाई का रास्ता अक्सर कठिन और लंबा होता है। जब हम ईमानदारी की राह पर चलते हैं, तो प्रगति की गति धीमी हो सकती है, क्योंकि अच्छाई की ईंटें केवल शुद्ध कर्मों से ही प्राप्त होती हैं। समाज में अक्सर सत्यवादी लोगों को संघर्ष करते देखा जाता है, जबकि बेईमान लोग विलासिता का आनंद लेते प्रतीत होते हैं। परंतु, अच्छाई से बनी एक-एक ईंट स्थायी होती है। वह काल के थपेड़ों को सहने की शक्ति रखती है। जो सफलता धीरे-धीरे और मेहनत से अर्जित की जाती है, उसका आनंद और उसकी आयु दोनों ही लंबी होती है। भगवान का यह कहना कि ₹ईंटें गायब हो रही हैं क्योंकि लोग अपने बुरे कर्मों से उबर रहे हैं,₹ एक गहरा मनोवैज्ञानिक सत्य है। बुराई का अस्तित्व केवल तब तक है जब तक अज्ञानता है। जैसे ही ज्ञान का उदय होता है या कर्म का दंड पूरा होता है, वह बुराई नष्ट हो जाती है। यदि हमारी सफलता की बुनियाद ही किसी के दुःख या गलत कार्य पर टिकी है, तो उस सफलता का पतन निश्चित है। जो आज चमक रहा है, यदि वह सत्य पर आधारित नहीं है, तो कल उसे खंडहर बनने से कोई नहीं रोक सकता। हमें यह समझना होगा कि सफलता का पैमाना केवल 'विशाल महल' नहीं होना चाहिए, बल्कि उस महल की 'स्थायित्व' होनी चाहिए। झूठ और फरेब की ईंटों से बनी इमारतें देखने में भव्य हो सकती हैं, लेकिन वे असुरक्षित होती हैं। वे हमें क्षणिक गौरव तो दे सकती हैं, पर आत्मिक शांति और दीर्घकालिक सुरक्षा नहीं। अतः, हमें अपने जीवन में सफलता की इमारत खड़ी करते समय ईंटों का चुनाव बहुत सावधानी से करना चाहिए। सच्चाई की एक ईंट, झूठ के हजार पत्थरों से कहीं अधिक भारी और मूल्यवान है।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

अपने विचार

अगर आपको प्रधानमंत्री की कुर्सी पर बैठना है तो पहले आपको जनता के दिल जीतने पड़ेंगे, महिला सांसदों को भेज करके सीट पर कब्जा करके आप प्रधानमंत्री नहीं बन सकते हो। क्या आप लोग इतने खोखले हो गए हो कि माताओं-बहनों को इसके लिए आगे कर रहे हो। कांग्रेस देश के लिए बोझ बन गई है।

\- नरेंद्र मोदी
प्रधानमंत्री

कांग्रेस के टॉपलेस प्रदर्शन के बाद अब कांग्रेस के मुख्य सलाहकार पित्रोदा मैदान में आए हैं और उनका यह फिर से भारत की आलोचना करने का एजेंडा है। पूनावाला ने कहा, अंकल सैम झूठ बोलकर भारत का मजाक उड़ा रहे हैं और कह रहे कि यह शर्म की बात है कि भारत ने मोबाइल फोन के लिए अपना ऑपरेटिंग सिस्टम तक विकसित नहीं किया।

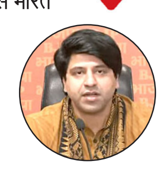

-शहजाद पूनावाला
भाजपा प्रवक्ता

केंद्र सरकार ने चिंतपूर्णी के विकास के लिए 50 करोड़ की राशि दी, लेकिन कांग्रेस सरकार वर्षों से इसे खर्च नहीं कर पाई। यह बात उन्होंने नोएडा में शिव शक्ति सिद्ध श्री बाबा बालकनाथ वेलफेयर सोसाइटी के 17वें स्थापना दिवस कार्यक्रम में कही।

-अनुराग सिंह ठाकुर
भाजपा सांसद

कोलकाता में कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर ने कहा कि जहां तक मेरा सवाल है, मैं तो खुद को समझता हूं कि मैं कांग्रेस में हूं, लेकिन केसी वेणुगोपाल ने ऐसा कुछ कहा है जिससे लगता है कि या तो उन्होंने तय कर लिया है कि मुझे कांग्रेस से निकालेंगे या तय करने वाले हैं।

-मणिशंकर अय्यर
कांग्रेस नेता

अपने विचार
डीबीडी कार्यालय
ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001
indiagroundreport@gmail.com
भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com **कार्यकारी संपादक :** अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज्मिेदार).

ब्रीफ न्यूज़

350वीं बरसी पर टीएमसी का गुरुद्वारा में स्वास्थ्य शिविर

ठाणे। श्री गुरुतेग बहादुर साहिबजी की 350वीं शहादत की सालगिरह के मौके पर हिंद दी चादर पहल के तहत, ठाणे म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ने ठाणे के एक गुरुद्वारे में एक फ्री हेल्थ कैंप लगाया।इस कैंप में ठाणे म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के डिप्टी कमिश्नर उमेश बिरारी, सहायक आयुक्त सोपान भाईक, पूर्व पार्षद गुरमुख सिंह स्यान मौजूद थे। यह स्वास्थ्य शिविर ठाणे में एक्सप्रेसवे के किनारे तीन हाथ नाका पर बने एक गुरुद्वारे में लगाया गया था। कैंप में लोगों का ब्लड प्रेशर चेक, डायबिटीज चेक और प्राइमरी हेल्थ चेक-अप किया गया।इस कैंप को गुरुद्वारे में आने वाले सिख भाइयों से तुरंत प्रतिसाद मिला। आयोजकों ने बताया कि यह पहल आम लोगों को सेहत के बारे में जागरूक करने और समय पर चेक-अप कराकर बीमारियों का पता लगाने के मकसद से शुरू की गई थी। इस मौके पर बताया गया कि हिंद की चादर पहल के ज़रिए सामाजिक स्वास्थ्य, जन जागृति गतिविधियां संबंधित कार्यक्रम लगातार चलाए जा रहे हैं, और समाज के अलग-अलग तबकों को ऐसी पहलों से सीधा फ़ायदा मिल रहा है।

चेन्नई के गोल्डन बीच पर हादसा महाराष्ट्र की छात्रा की डूबने से मौत

नागपुर/चेन्नई। तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई के गोल्डन बीच पर शनिवार को हुए समुद्री हादसे में महाराष्ट्र की एक छात्रा की डूबने से मौत हो गई, जबकि एक अन्य छात्र लापता है। अधिकारियों के अनुसार, विद्यार्थियों का एक समूह समुद्र तट पर घूमने गया था, जहां तीन छात्र समुद्र में उतरे थे। जानकारी के मुताबिक, 26 विद्यार्थियों के समूह में से महाराष्ट्र के भंडारा जिले की मयूरी चौधरी समुद्र में डूब गईं। जय पाटिल नामक छात्र लापता है, जिसकी तलाश युद्धस्तर पर की जा रही है। वहीं, राज केदारी नामक एक अन्य छात्र को सुरक्षित बचा लिया गया। घटना की सूचना मिलते ही महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने तमिलनाडु सरकार से संपर्क कर खोज और बचाव अभियान तेज करने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री कार्यालय के अनुसार, राहत एवं बचाव कार्यों की लगातार निगरानी की जा रही है। मुख्यमंत्री फडणवीस ने मयूरी चौधरी के निधन पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए लापता छात्र की शीघ्र खोज के लिए हर संभव प्रयास करने की अपील की है। बताया गया है कि जय पाटिल के परिजन चेन्नई पहुंच चुके हैं, जबकि मयूरी चौधरी के परिवार के सदस्य नागपुर से रवाना हो गए हैं।

मुंबई एयरपोर्ट फ्लाईओवर के नीचे बनेगा 24,000 वर्ग फुट का 'सामुदायिक शहरी फार्म'

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

शहर की उपेक्षित जगहों को नया जीवन देने की दिशा में बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) ने एक अनोखी पहल की घोषणा की है। योजना के तहत छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा के टर्मिनल-1 के पास स्थित फ्लाईओवर के नीचे करीब 24,000 वर्ग फुट क्षेत्र को 'सामुदायिक शहरी फार्म' में विकसित किया जाएगा। अधिकारियों के अनुसार, यह पहल वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे (डब्ल्यूईएच) कॉरिडोर पर अपनी तरह की पहली परियोजना मानी जा रही है। इसका उद्देश्य कंक्रीट संरचनाओं के बीच एक हरित और कार्यात्मक कृषि क्षेत्र तैयार करना है, जहां स्थानीय नागरिक फल, सब्जियां और अन्य पौधे उगा सकें।यह परियोजना टी-1 एक्वा लाइन मेट्रो स्टेशन के पास स्थित क्षेत्र में अगले महीने से शुरू होने की संभावना है। बीएमसी जमीन, पानी और बिजली कनेक्शन उपलब्ध कराएगी, जबकि 'स्वच्छ पार्ले अभियान' और 'पार्ले वृक्ष मित्र' जैसे स्थानीय संगठन इसके क्रियान्वयन की जिम्मेदारी संभालेंगे।

बागवानी प्रशिक्षण और पौधशाला की सुविधा

'सामुदायिक शहरी फार्म' में एक विशेष प्रदर्शन क्षेत्र भी बनाया जाएगा, जहां लोगों को बालकनी और छत पर बागवानी करने का प्रशिक्षण दिया जाएगा। साथ ही एक छोटा बिक्री क्षेत्र भी होगा, जहां अतिरिक्त उपज को बेचा जा सकेगा।इसके अलावा, यहां एक अनोखी 'पौधशाला' (प्लांट क्रेच) भी स्थापित की जाएगी, जहां शहर से बाहर जाने वाले लोग अपने घर के पौधों को अस्थायी देखभाल के लिए छोड़ सकेंगे। परियोजना में शहर से निकलने वाले गीले कचरे से तैयार खाद का उपयोग किया जाएगा, जिससे कचरा प्रबंधन और पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा। यह पहल मुंबई में सतत विकास और सामुदायिक भागीदारी की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

'गोद लें अपना प्लॉट' मॉडल

'स्वच्छ पार्ले अभियान' से जुड़ी वर्षा करांबलेकर के मुताबिक, योजना के तहत लगभग 6×3 फुट के समर्पित प्लॉट तैयार किए जाएंगे, जिन्हें स्थानीय निवासी गोद लेकर फल-सब्जियां उगा सकेंगे। अब तक 24 ऐसे प्लॉट विकसित किए जा चुके हैं और मांग के अनुसार इनकी संख्या बढ़ाई जाएगी। अन्य उपनगरों के निवासी भी इस परियोजना में भाग ले सकेंगे।परियोजना से जुड़े परिवार अपने-अपने प्लॉट के रखरखाव और फसल की कटाई के लिए जिम्मेदार होंगे, जिससे 'खेत से सीधे मेज तक' की संस्कृति को बढ़ावा मिलेगा। यहां विभिन्न प्रकार की मौसमी फल-सब्जियां उगाई जा सकेंगी।

मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर जाम के बाद टोल रिफंड का ऐलान

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास महामंडल (एमएसआरडीसी) ने मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर हाल ही में लगे भारी ट्रैफिक जाम के दौरान वसूले गए टोल शुल्क को वापस करने का निर्णय लिया है। प्राधिकरण के अनुसार, लगभग 5.16 करोड़ रुपये की राशि करीब 1.2 लाख वाहन चालकों को लौटाई जाएगी। अधिकारियों ने बताया कि जाम के कारण कई यात्रियों को टोल प्लाजा पर लंबे समय तक इंतजार करना पड़ा था। इस संबंध में प्राप्त शिकायतों और परिस्थितियों की समीक्षा के बाद प्रभावित वाहन चालकों को राहत देने का फैसला लिया गया।एमएसआरडीसी ने स्पष्ट किया है कि पात्र वाहन चालकों को निर्धारित प्रक्रिया के तहत धनवापसी की जाएगी। रिफंड की प्रक्रिया और पात्रता से जुड़ी विस्तृत जानकारी जल्द जारी की जाएगी। इस फैसले को यात्रियों के हित में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, जिससे भविष्य में ट्रैफिक प्रबंधन और टोल संचालन को लेकर जवाबदेही भी सुनिश्चित होगी।

करीब 5.16 करोड़ रुपये 1.2 लाख वाहन चालकों को लौटाए जाएंगे

उल्हासनगर में न्यूरोलॉजी और स्पाइन पर निःशुल्क चिकित्सा शिविर,75 मरीजों ने उठाया लाभ

डीबीडी संवाददाता | उल्हासनगर

ठाणे स्थित सोलारिस सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल द्वारा रविवार को उल्हासनगर के निवासियों के लिए न्यूरोलॉजी और स्पाइन से संबंधित रोगों पर निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर बेहद सफल रहा, जिसमें कुल 75 मरीजों ने भाग लेकर परामर्श और उपचार का लाभ उठाया। शिविर में अस्पताल के निदेशक एवं विशेषज्ञ डॉक्टर डॉ. दीपक आइवले (न्यूरोलॉजिस्ट) और डॉ. अमित आइवले (न्यूरोसर्जन) ने ब्रेन और स्पाइन ट्यूमर, क्रॉनिक सिरदर्द, मिर्गी (फिट्स), चक्कर आना (वर्टिगो), न्यूरोपैथी, मूवमेंट एवं बैलेंस डिसऑर्डर, मायस्थेनिया ग्रेविस सहित कई जटिल बीमारियों से पीड़ित मरीजों की जांच की। डॉ. अमित आइवले ने मरीजों को न्यूरोनेविगेशन कंप्यूटर-गाइडेड ब्रेन सर्जरी और मिनिमली इनवेसिव सर्जरी जैसी आधुनिक तकनीकों के बारे में विस्तार से जानकारी दी तथा समग्र उपचार और देखभाल संबंधी मार्गदर्शन भी प्रदान किया। यह शिविरअनुसया चैरिटेबल ट्रस्ट, इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी, रोटरी क्लब ऑफ उल्हासनगर सपना गार्डन, रोटरी क्लब ऑफ अर्बानिया ठाणे और उल्हासनगर मेडिकल एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। इस निःशुल्क चिकित्सा शिविर के मुख्य अतिथि उपमहापौर अमर लुंड रहे, जिन्होंने शिविर का उद्घाटन किया।

मेट्रो कार शेड का मुआवज़ा दो, वरना सड़कों पर उतरेंगे किसान

घोड़बंदर-मोघरपाड़ा परियोजना से प्रभावित लोगों का प्रदर्शन

ठाणे। शहर में ट्रैफिक जाम कम करने के उद्देश्य से मेट्रो नेटवर्क का विस्तार तेज़ी से किया जा रहा है। इसी कड़ी में घोड़बंदर क्षेत्र के मोघरपाड़ा में मेट्रो कार शेड के लिए जमीन तय की गई है। हालांकि, प्रस्तावित स्थल पर वर्तमान में धान की खेती हो रही है और स्थानीय किसानों का आरोप है कि सरकार की ओर से अब तक केवल कागज़ी प्रक्रिया पूरी की गई है, जबकि वास्तविक मुआवज़ा नहीं मिला है। प्रभावित किसानों और ग्रामीणों ने गुरुवार को खेत में विरोध प्रदर्शन किया। उनका कहना है कि यदि उन्हें उचित मुआवज़ा नहीं मिला तो वे आंदोलन तेज़ करेंगे

और सड़कों पर उतरने से भी पीछे नहीं हटेंगे। किसानों का कहना है कि यही जमीन उनकी आजीविका का एकमात्र साधन है। प्रदर्शन के दौरान किसानों ने ट्रैक्टर चलाकर और प्रतीकात्मक रूप से खेत में आग लगाकर नाराज़गी जताई। उनका आरोप है कि प्रशासन उनकी मांगों को गंभीरता से नहीं ले रहा है। ग्रामीणों की मुख्य मांगें इस प्रकार हैं:प्रभावित किसानों को तत्काल और उचित मुआवज़ा दिया जाए।स्थानीय युवाओं को मेट्रो परियोजना में 100 प्रतिशत रोजगार में प्राथमिकता दी जाए। 5 एकड़ जमीन पर स्कूल और कॉलेज की स्थापना की जाए। मेट्रो से जुड़ी आवश्यक सेवाओं के लिए स्थानीय युवाओं को प्रशिक्षण दिया जाए।किरण रामकृष्ण पाटिल, संजय पाटिल, निखिल ठाकुर सहित अन्य ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की कि परियोजना से प्रभावित परिवारों को प्राथमिकता के आधार पर रोजगार और सुविधाएं दी जाएं। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर जल्द सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया, तो वे व्यापक आंदोलन छेड़ेंगे।

'एआई फॉर एग्री 2026' में बाजार स्थिरता और समावेशी तकनीक पर जोर

मुंबई। जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में आयोजित 'एआई फॉर एग्री 2026' सम्मेलन में विशेषज्ञों ने कहा कि कृषि विकास के लिए मजबूत और स्थिर बाजार व्यवस्था अनिवार्य है। महाराष्ट्र की कृषि-कृत्रिम बुद्धिमत्ता नीति 2025–2029 के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में वित्तीय ढांचे, जोखिम प्रबंधन और तकनीकी नवाचार पर चर्चा हुई। परिसंवाद में सह्याद्री फार्म्स के विलास शिंदे, नाबार्ड के संजीव रोहिल्ला और नीदरलैंड दूतावास की कृषि सलाहकार मेरियन वैन शायक सहित विशेषज्ञों ने भाग लिया। वक्ताओं ने कहा कि एआई को सफल बनाने के लिए किसानों का भरोसा जीतना जरूरी है और इसके लिए उत्पादन बढ़ोतरी व लागत में कमी के ठोस प्रमाण प्रस्तुत करने होंगे।

गोंदिया में सड़क हादसा: NH-53 पर वाहन की टक्कर से तेंदुए की मौत

डीबीडी संवाददाता | कल्याण

महाराष्ट्र के गोंदिया जिले में रविवार देर रात एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन की टक्कर से तेंदुए की मौत हो गई। हादसा रात करीब 1:30 बजे राष्ट्रीय राजमार्ग-53 पर नैनपुर-डुग्गीपार रोड के पास हुआ, जो सादक अर्जुनी वन क्षेत्र के अंतर्गत आता है। वन विभाग के मुताबिक, तेंदुआ जंगल से निकलकर सड़क पार कर रहा था, तभी किसी अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी। मौके पर ही उसकी मौत हो गई। सूचना मिलते ही टीम घटनास्थल पर पहुंची और शव को कब्जे में लिया। अधिकारियों ने बताया कि तेंदुए के मुंह से खून बह रहा था, जिससे टक्कर की तीव्रता का अंदाजा लगाया जा सकता है।यह इलाका नवेगांवबांध वन्यजीव अभयारण्य और नागझिरा वन्यजीव अभयारण्य को जोड़ने वाला अहम वन्यजीव कॉरिडोर माना जाता है। यहां अक्सर जंगली जानवरों की आवाजाही रहती है, जिससे हाईवे पर तेज रफ्तार वाहन उनके लिए खतरा बन जाते हैं।

पोस्टमार्टम के बाद अंतिम संस्कार

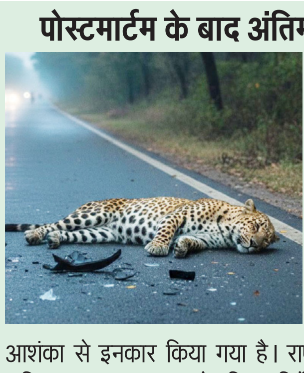

रेंज फॉरेस्ट ऑफिसर मिथु तारोने ने बताया कि मृत तेंदुए के सभी अंग सुरक्षित पाए गए हैं, जिससे शिकार या अवैध गतिविधि की आशंका से इनकार किया गया है। राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA) के दिशा-निर्देशों के तहत पशु चिकित्सकों की टीम ने पोस्टमार्टम किया। कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया। वन विभाग ने इस घटना को गंभीर मानते हुए हाईवे पर वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए अतिरिक्त कदम उठाने की बात कही है। अधिकारियों ने वाहन चालकों से विशेष रूप से रात के समय निर्धारित गति सीमा का पालन करने और सतर्क रहने की अपील की है।

ठाणे में मेगा लीगल अवेयरनेस कैंप

एक ही मंच पर कानूनी सहायता और ट्रैफिक नियमों की जानकारी

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

महाराष्ट्र स्टेट लीगल सर्विसेज़ अथॉरिटी के निर्देशानुसार जिला लीगल सर्विसेज़ अथॉरिटी, ठाणे ने रविवार को वी. एन. बेडेकर कॉलेज परिसर में एक विशाल महाशिविर का आयोजन किया। इस शिविर का उद्देश्य नागरिकों को सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी एक ही छत के नीचे उपलब्ध कराना और उन्हें सीधे लाभ पहुंचाना था। इस कार्यक्रम में चीफ डिस्ट्रिक्ट एंड सेशंस जज श्रीनिवास अग्रवाल, बॉम्बे हाई कोर्ट की जस्टिस मंजुषा देशपांडे और ठाणे जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव रवींद्र पजंकर उपस्थित रहे।शिविर में नागरिकों को मुफ्त कानूनी सेवाओं, लीगल एड और शिकायत निवारण प्रक्रियाओं के बारे में विस्तृत मार्गदर्शन दिया गया। साथ ही विभिन्न सरकारी कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी और उनके प्रत्यक्ष लाभों के बारे में बताया गया।

ट्रैफिक विभाग का विशेष कक्ष बना आकर्षण

शिविर में ठाणे शहर ट्रैफिक विभाग द्वारा तैयार किया गया विशेष कक्ष और प्रदर्शनी लेन मुख्य आकर्षण रहे। पुलिस आयुक्त आशुतोष डुंबरे और अतिरिक्त पुलिस आयुक्त डॉ. ज्ञानेश्वर चव्हाण के निर्देश पर, ट्रैफिक पुलिस उपायुक्त पंकज शिरसाट के नेतृत्व में अधिकारियों और कर्मचारियों ने उपस्थित लोगों को ट्रैफिक नियमों के प्रति जागरूक किया।यहां ई-चालान प्रणाली की कार्यप्रणाली का प्रदर्शन किया गया और बताया गया कि नेशनल लोक अदालत के माध्यम से 14 करोड़ रुपये की वसूली कैसे संभव हुई। साथ ही वैकल्पिक विवाद निवारण प्रणाली के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया। नागरिकों को ट्रैफिक नियमों को व्यवहारिक रूप से समझाने के लिए कंक्रीट सड़क जैसी कालीन बिछाई गई, ताकि पैदल चलने वाले चलते-चलते संकेतों को समझ सकें। विभिन्न ट्रैफिक साइन बोर्ड लगाकर नियमों को वास्तविक उदाहरणों के साथ समझाया गया।

राष्ट्रीय राजमार्ग पर दिनदहाड़े लूट, मुंबई के यात्री से लाखों के गहने और नकदी छीनी

डीबीडी संवाददाता | मुंबई/बेलगावी

कर्नाटक के बेलगावी के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक लूट की वारदात सामने आई है, जिसमें मुंबई से यात्रा कर रहे एक युवक को निशाना बनाया गया। बदमाशों ने युवक को रास्ते में रोककर उसके गले से करीब दो लाख रुपये मूल्य की सोने की चेन और नकदी छीन ली। प्राथमिक जानकारी के अनुसार, आरोपी मोटरसाइकिल पर सवार थे और उन्होंने सुनसान स्थान का फायदा उठाकर वारदात को अंजाम दिया। घटना के बाद वे तेज रफ्तार से मौके से फरार हो गए। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है ताकि

आरोपियों की पहचान की जा सके। पुलिस का कहना है कि संभावित संदिग्धों की तलाश के लिए विशेष टीम गठित की गई है। इस घटना के बाद हाईवे पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता बढ़ गई है। यात्रियों में भी असुरक्षा की भावना देखी जा रही है। पुलिस ने गश्त बढ़ाने का आश्वासन देते हुए लोगों से अपील की है कि विशेषकर रात के समय यात्रा करते हुए सतर्क रहें और कीमती सामान का प्रदर्शन न करें। अधिकारियों का दावा है कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा और मामले का खुलासा किया जाएगा।

12 राशिफल में देखें अपना दिन

मेष व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बेचैनी रहेगी। प्रयास सफल रहेंगे। धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। सामाजिक कार्य करने में रुचि रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा। निवेश शुभ रहेगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। कार्यसिद्धि होगी।

वृष यात्रा मनोरंजक रहेगी। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य प्रभावित होगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। मित्रों का सहयोग समय पर प्राप्त होगा। रुके कार्यों में गति आएगी।

मिथुन जल्दबाजी से चोट लग सकती है। दूर से शोक समाचार मिल सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी अपने ही व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है। थकान व कमजोरी रह सकती है। स्वास्थ्य पर खर्च होगा। चिंता तथा तनाव रहेंगे। नौकरी में कार्यभार रहेगा।

कर्क कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। थकान व कमजोरी रह सकती है। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। निवेश में जल्दबाजी न करें। नौकरी में शांति रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। मित्रों का सहयोग रहेगा।

सिंह पुराना रोग उभर सकता है। दूर से दु:खद समाचार मिल सकता है। व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। किसी व्यक्ति के व्यवहार से अप्रसन्नता रहेगी। अपेक्षित कार्य विलंब से होंगे। प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। किसी व्यक्ति विशेष की नाराजी झेलना पड़ेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा।

कन्या जल्दबाजी न करें। कोई समस्या खड़ी हो सकती है। शरीर शिथिल हो सकता है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। भूमि व भवन इत्यादि की खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। आय में वृद्धि होगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे।

तुला धनहानि संभव है, सावधानी रखें। किसी व्यक्ति के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। विवाद से बचें। शत्रु शांत रहेंगे। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा लाभदायक रहेगी। व्यापार मनोनुकूल चलेगा।

वृश्चिक अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। बात बढ़ सकती है। परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। तनाव रहेगा। पुराना रोग उभर सकता है। लेन-देन में सावधानी रखें। किसी भी व्यक्ति की बातों में न आएं।

धनु शत्रु सक्रिय रहेंगे। शारीरिक कष्ट संभव है। दूसरों के कार्य में हस्तक्षेप न करें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। निवेश मनोनुकूल लाभ देगा। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी।

मकर धन प्राप्ति सुगम तरीके से होगी। नई योजना बनेगी। तत्काल लाभ नहीं होगा। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक कार्य करने में रुझान रहेगा। मान-सम्मान मिलेगा। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड इत्यादि से मनोनुकूल लाभ होगा।

कुंभ पूजा-पाठ में मन लगेगा। किसी साधु-संत का आशीवार्द मिल सकता है। कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेंगे। नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी। मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। लंबित कार्य पूर्ण होंगे। प्रमाद न करें।

मीन घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय होगा। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में संतोष रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। विरोध होगा। विवाद से क्लेश होगा, इससे बचें। पुराना रोग उभर सकता है। परिवार की चिंता रहेगी। जल्दबाजी न करें।

भ्रम से परे ज्योतिष का करुणामय विज्ञान

सामान्य बोलचाल में हम अक्सर यह कहते सुनते हैं कि जो ग्रह लाभ दे रहे हों उन्हें और प्रबल करना चाहिए तथा जो ग्रह कष्ट दे रहे हों उन्हें कमजोर करना चाहिए। यह वाक्य सुनने में जितना सरल लगता है, वास्तविकता उतनी ही गहरी और सूक्ष्म है। ग्रहों को कमजोर या मजबूत करने की जो लोकप्रिय धारणा फैली हुई है, वह ज्योतिष के मूल सिद्धांतों से मेल नहीं खाती। ग्रह कोई खिलौने नहीं हैं जिन्हें दान देकर घटा दिया जाए या रत्न पहनकर बढ़ा दिया जाए। वे ब्रह्मांडीय ऊर्जा के स्रोत हैं, जो अपने नियत नियमों के अनुसार कार्य करते हैं। दान, उपाय और सेवा का संबंध ग्रहों की शक्ति घटाने-बढ़ाने से कम और हमारे कर्म, संस्कार तथा चेतना को शुद्ध करने से अधिक है।

सबसे पहले यह समझना आवश्यक है कि ज्योतिष में ग्रहों को केवल खगोलीय पिंड के रूप में नहीं देखा जाता, बल्कि उन्हें ऊर्जा के प्रतीक के रूप में समझा जाता है। उदाहरण के लिए, शनि अनुशासन, कर्मफल, श्रम और

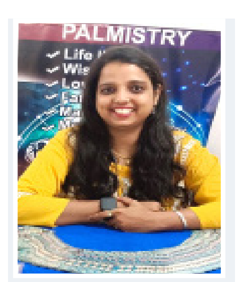

प्रियंका जैन
9769994439

न्याय की ऊर्जा का प्रतिनिधित्व करता है। बृहस्पति ज्ञान, विस्तार और सदाचार का द्योतक है। मंगल साहस और शक्ति का प्रतीक है, जबकि शुक्र भोग, सौंदर्य और संबंधों से जुड़ा है। इन ग्रहों की ऊर्जा हमारे जीवन में विभिन्न रूपों में प्रकट होती है। जब किसी ग्रह की स्थिति जन्मकुंडली में प्रतिकूल होती है, तो उसका अर्थ यह नहीं कि वह ग्रह शत्रु बन गया है; बल्कि यह संकेत होता है कि उस ऊर्जा से जुड़े कर्म या जीवन क्षेत्र में संतुलन की आवश्यकता है।

रत्न धारण करने की परंपरा इसी सिद्धांत पर आधारित है कि विशिष्ट रत्न उस ग्रह की ऊर्जा को आकर्षित कर हमारे सूक्ष्म शरीर में प्रवाहित करते हैं। उदाहरण के लिए, शनि के लिए नीलम, बृहस्पति के लिए पुखराज, मंगल के लिए मूंगा आदि। जब कोई ग्रह कमजोर होता है, तब उसके तत्व की पूर्ति के लिए रत्न धारण किया जाता है। परंतु यदि कोई व्यक्ति उसी ग्रह से संबंधित वस्तुओं का दान करता है, तो क्या उसके शरीर से वह तत्व निकल जाएगा? स्पष्ट रूप से नहीं। दान से ग्रह की शक्ति कम नहीं होती, बल्कि हमारे कर्मजनित दोषों का शमन होता है।

समस्या तब उत्पन्न होती है जब कुछ लोग यह भ्रम फैलाते हैं कि यदि कोई ग्रह उच्च राशि में हो तो उसका दान नहीं करना चाहिए, क्योंकि वह कमजोर हो जाएगा। यह धारणा वैज्ञानिक या शास्त्रीय दृष्टि से तर्कसंगत नहीं है। उच्च राशि में स्थित ग्रह अपनी पूर्ण क्षमता से कार्य करता है, परंतु उसकी दृष्टि यदि किसी शत्रु भाव या ग्रह पर पड़ रही हो, तो परिणाम जटिल हो सकते हैं। ऐसे में उस ग्रह से संबंधित सेवा और दान करने से उसकी शक्ति कम नहीं होती, बल्कि उस ऊर्जा के दुष्प्रभावों में संतुलन आता है।

इसे एक सरल उदाहरण से समझा जा सकता है। मान लीजिए कोई अत्यंत प्रभावशाली और शक्तिशाली व्यक्ति है। उसके कुछ सहयोगियों को आपने अनजाने में कष्ट पहुँचा दिया। यदि आप उन सहयोगियों से क्षमा मांग लें, उनकी सेवा करें, उनका उपचार कराएं, तो उस शक्तिशाली व्यक्ति की शक्ति कम नहीं होगी। बल्कि वह आपके प्रति शत्रुता का भाव छोड़ सकता है। उसी प्रकार ग्रहों से संबंधित जीवों या तत्वों की सेवा करने से ग्रह की ऊर्जा कम नहीं होती; बल्कि हमारे भीतर के कर्मदोष शुद्ध होते हैं।

ज्योतिष का एक गूढ़ सिद्धांत पुनर्जन्म और कर्म से जुड़ा है। यह माना जाता है कि पूर्व जन्मों के कर्म वर्तमान जन्म में ग्रहों की स्थिति के माध्यम से फलित होते हैं।

एआई समिट को लेकर नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस पर किया तीखा प्रहार, कहा-

वैश्विक मंच को बनाया राजनीतिक अखाड़ा

- समिट में 80 से अधिक देशों के प्रमुख-प्रतिनिधि हुए शामिल
- मेरठ में नमो भारत कारिडोर के शेष खंड और मेट्रो का लोकार्पण

एजेंसी | मेरठ

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को मेरठ में दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ नमो भारत कॉरिडोर के शेष खंड और मेरठ मेट्रो सेवा का उद्घाटन किया। जनसभा में उन्होंने कांग्रेस पर तीखा प्रहार किया। कहा, नई दिल्ली में आयोजित एआई समिट जैसे वैश्विक मंच को विपक्ष ने राजनीतिक प्रदर्शन का माध्यम बनाकर देश की छवि को ठेस पहुंचाई है। प्रधानमंत्री ने कहा कि एआई समिट में 80 से अधिक देशों के प्रतिनिधियों और कई राष्ट्राध्यक्षों की भागीदारी रही, जिससे भारत की वैश्विक साख सुदृढ़ हुई। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने इस अंतरराष्ट्रीय आयोजन को "राजनीतिक अखाड़ा" बना दिया। उनके अनुसार, ऐसे अवसरों पर देशहित सर्वोपरि होना चाहिए, न कि दलगत विरोध।

55 मिनट में 82 किमी का सफर

प्रधानमंत्री ने कहा कि नमो भारत रैपिड रेल और मेरठ मेट्रो क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को नई गति देंगी। मोदीपुरम से सराय काले खां तक लगभग 82 किमी की दूरी अब करीब 55 मिनट में तय होगी। उन्होंने बताया कि एक ही ट्रैक और प्लेटफॉर्म से मेट्रो और नमो भारत सेवा का संचालन देश में पहली बार हो रहा है, जिससे शहरी और अंतरशहरी आवागमन सुगम होगा। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि सराय कालेखां, आनंद विहार, गाजियाबाद और मेरठ स्टेशनों पर रेल, मेट्रो और बस सेवाओं का एकीकरण किया गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश में मेट्रो नेटवर्क का विस्तार तेज गति से हुआ है।

सूबे के मुखिया ने की पीएम की आगवानी

कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री का स्वागत किया और कहा कि डबल इंजन सरकार के सहयोग से राज्य में आधारभूत संरचना का तीव्र विकास हो रहा है। इस अवसर पर कई केंद्रीय व राज्य मंत्री, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम के दौरान मेट्रो में यात्रा कर छात्रों और युवाओं से संवाद भी किया। अधिकारियों के अनुसार, रैपिड रेल सेवा शुरू होने से दिल्ली और मेरठ के बीच आवागमन का समय उल्लेखनीय रूप से घटेगा, जिससे व्यापार, रोजगार और शिक्षा के अवसरों को बढ़ावा मिलेगा।

चौधरी चरण सिंह को किया याद

प्रधानमंत्री ने उत्तर प्रदेश में बेहतर होती कानून-व्यवस्था का जिक्र करते हुए कहा कि पहले जिन क्षेत्रों में भय का माहौल रहता था, वहां अब आधुनिक परिवहन और सुरक्षित यात्रा की सुविधा उपलब्ध है। नमो भारत परियोजना में बड़ी संख्या में महिलाओं की भागीदारी को उन्होंने नारी शक्ति का प्रतीक बताया। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार को चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न प्रदान करने का अवसर मिला।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद पर एफआईआर दर्ज

- मुकुंदानंद समेत 2-3 अन्य पर भी संबंधित धाराओं में मुकदमा
- पाक्सो अदालत के आदेश पर झूंसी पुलिस ने शुरू की जांच

एजेंसी | प्रयागराज

प्रयागराज जनपद में पॉक्सो अधिनियम से संबंधित एक मामले में न्यायालय के आदेश के अनुपालन में झूंसी थाने पर विधिक कार्रवाई की गई है। विशेष पॉक्सो न्यायालय के निर्देश के बाद पुलिस ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद तथा अन्य आरोपितों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर जांच प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है।

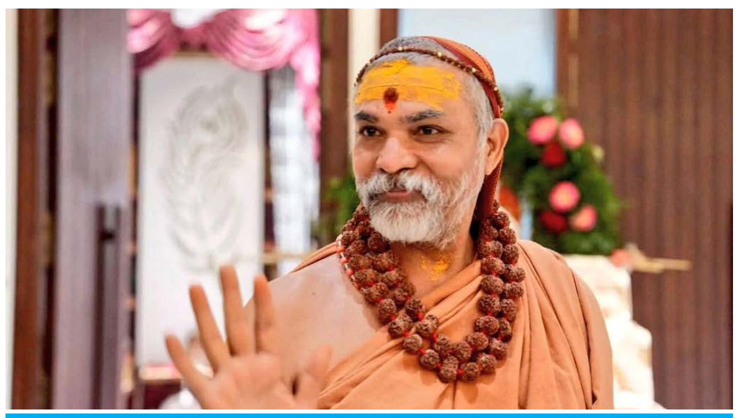

आशुतोष ब्रह्मचारी ने दी तहरीर

थाना प्रभारी निरीक्षक महेश मिश्रा ने बताया कि मामला न्यायालय के आदेश से पंजीकृत हुआ है। शिकायतकर्ता आशुतोष ब्रह्मचारी महाराज हैं, जो मथुरा जनपद के वृंदावन स्थित श्री तुलसी कुंज, छत्तीसगढ़ पीठ से संबद्ध बताए गए हैं। उनकी ओर से दी गई तहरीर में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद, मुकुंदानंद ब्रह्मचारी (निवासी चमोली, उत्तराखंड) और तीन अज्ञात व्यक्तियों को नामजद किया गया है।

छह अलग-अलग धारों में लिखा केस

पुलिस के अनुसार दर्ज एफआईआर में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023 की धारा 351(3) के साथ-साथ लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, 2012 (पॉक्सो एक्ट) की छह अलग-अलग धाराएं शामिल की गई हैं। प्रकरण में लगाए गए आरोपों की प्रकृति को देखते हुए मामले की विवेचना संवेदनशीलता और विधिक मानकों के अनुरूप की जा रही है।

विशेष अदालत ने दिया था निर्देश

उल्लेखनीय है कि एक दिन पूर्व जिला न्यायालय की पॉक्सो विशेष अदालत ने झूंसी थाने को निर्देश दिया था कि वादी की शिकायत पर तत्काल मुकदमा दर्ज कर विधिवत जांच सुनिश्चित की जाए। न्यायालय के आदेश के अनुपालन में रविवार को केस दर्ज किया गया।

जांच होने तक संयम की अपील

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि साक्ष्य संकलन, संबंधित पक्षों के बयान और अन्य आवश्यक विधिक औपचारिकताएं चरणबद्ध तरीके से पूरी की जाएंगी। विवेचना के दौरान प्राप्त तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई तय की जाएगी। फिलहाल पुलिस ने किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से पूर्व जांच पूरी होने तक संयम बरतने की अपील की है।

गैंगस्टर वाहिद इकबाल की एक करोड़ की संपत्ति जब्त

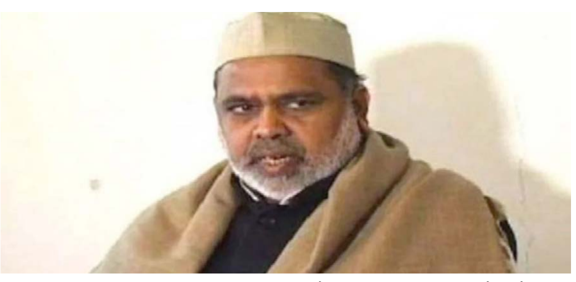

एजेंसी | मीरजापुर

मीरजापुर में पुलिस-प्रशासन ने संगठित अपराध के खिलाफ अभियान के तहत गैंग लीडर वाहिद इकबाल की करीब एक करोड़ रुपये मूल्य की अचल संपत्ति कुर्क की है। कार्रवाई जिला मजिस्ट्रेट के आदेश पर गैंगस्टर एक्ट की धारा 14(1) के अंतर्गत की गई। पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक ने बताया कि पुलिस के अनुसार कोतवाली शहर थाने में दर्ज गैंगस्टर एक्ट के मुकदमे से जुड़े आरोपी वाहिद इकबाल, निवासी नागकुंड गजिया कंतित, की ग्राम कंतित स्थित लगभग 600 वर्गफीट जमीन/मकान (आराजी संख्या 1602, रकबा 0.531 हे.) को जब्त किया गया है। रिकॉर्ड के मुताबिक आरोपी पर चोरी, नकबजनी, एनडीपीएस और एससी/एसटी एक्ट सहित विभिन्न धाराओं में दो दर्जन से अधिक मामले दर्ज हैं।

पुलिस टीम पर पथराव, महिला कांस्टेबल की वर्दी फाड़ी

- अवैध निर्माण की शिकायत पर मौका-मुआयना करने गई थी टीम
- संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर पुलिस ने शुरू की जांच

एजेंसी | फर्रुखाबाद

फर्रुखाबाद जनपद के कमालगंज थाना क्षेत्र में अवैध निर्माण की सूचना पर कार्रवाई करने पहुंची पुलिस टीम पर ग्रामीणों द्वारा हमला किए जाने का मामला सामने आया है। घटना के दौरान एक महिला कांस्टेबल के साथ हाथापाई की गई और उनकी वर्दी फाड़ दी गई। पुलिस ने संबंधित लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। खुदागंज चौकी प्रभारी अनिल कुमार ने बताया कि ग्राम नगला जोध में अवैध निर्माण की शिकायत मिली थी। मना करने के बावजूद निर्माण कार्य जारी रहा। इस पर चौकी प्रभारी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और निर्माण रोकने का निर्देश दिए।

समूह बनाकर किया गया हमला

आरोपित है कि इस दौरान मनीष, पंकज, मोनू सहित अन्य लोगों ने विरोध शुरू कर दिया और विवाद बढ़ गया। अतिरिक्त पुलिस बल बुलाया गया, लेकिन स्थिति और तनावपूर्ण हो गई। पुलिस के मुताबिक 8-10 पुरुष और 15-20 महिलाओं ने मिलकर टीम के साथ धक्का-मुक्की और गाली-गलौज की। महिला कांस्टेबल चंचल के साथ कथित तौर पर अभद्र व्यवहार किया गया, जिससे उनकी वर्दी क्षतिग्रस्त हो गई।

सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज

रिपोर्ट में यह भी उल्लेख है कि कुछ लोगों ने पुलिस वाहन के सामने खड़े होकर पथराव किया, जिससे मौके पर अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। घटना से गांव में तनाव का माहौल पैदा हो गया। पुलिस ने सरकारी कार्य में बाधा, मारपीट और अन्य संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले की जांच इंस्पेक्टर राजीव कुमार को सौंपी गई है। फिलहाल किसी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई है और पुलिस आरोपितों की पहचान व गिरफ्तारी के प्रयास में जुटी है।

काफूर हुईं विवाह की खुशियां, तीन बारातियों की मौत

- बरेली-मथुरा हाईवे पर दो बसों के बीच हुई भिड़ंत
- पांच गंभीर घायलों का इलाज जारी

एजेंसी | बदायूं

बदायूं जनपद में रविवार सुबह एक भीषण सड़क दुर्घटना में तीन बारातियों की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य घायल हो गए। हादसा उझानी कोतवाली क्षेत्र में बरेली-मथुरा राष्ट्रीय राजमार्ग पर उस समय हुआ, जब एक रोडवेज बस और एक निजी बस आमने-सामने टकरा गईं। ग्रामीण क्षेत्र के अपर पुलिस अधीक्षक डॉ. हृदेश कठेरिया के अनुसार, निजी बस में सवार बाराती विवाह समारोह से लौट रहे थे। टक्कर के बाद बस में अफरा-तफरी मच गई और आठ लोग घायल हो गए। सभी को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने तीन को मृत घोषित कर दिया। अन्य घायलों का उपचार जारी है, जबकि कुछ को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। मृतकों की पहचान कासगंज निवासी 32 वर्षीय योगेश, बीवी सलेमपुर के 21 वर्षीय सोनू तथा कछला वार्ड नंबर पांच के 14 वर्षीय किशन के रूप में हुई है।

दोनों बस चालकों से पूछताछ

पुलिस के मुताबिक कासगंज के नगला भम्मन निवासी प्रेमपाल के पुत्र की शादी 21 फरवरी को संपन्न हुई थी। बारात शाहजहांपुर जिले के पटना बारकेला गांव गई थी और रविवार सुबह वापसी के दौरान यह हादसा हो गया।

तीन की मौत से तिलकोत्सव में पसरा मातम

नवादा। नवादा जिले में शनिवार देर रात एक भीषण सड़क हादसे में तीन युवकों की जान चली गई। घटना सीतामढ़ी थाना क्षेत्र के कटघरा गांव के समीप तरवा आहर के पास हुई, जहां तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर बिजली के पोल से जा टकराई। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार को हादसे का कारण माना जा रहा है। पुलिस के अनुसार, गया जिले के अतरी थाना क्षेत्र के रिवला गांव निवासी तीनों युवक अपने मित्र के तिलक समारोह में शामिल होने अकबरपुर जा रहे थे।

IDFC First Bank: 590 करोड़ का घोटाला, चार कर्मचारी निलंबित

- धोखाधड़ी में शामिल कर्मियों के खिलाफ की जाएगी सख्त कार्रवाई

एजेंसी | नई दिल्ली

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक की चंडीगढ़ शाखा में 590 करोड़ रुपये की कथित वित्तीय गड़बड़ी का मामला सामने आया है। बैंक के अनुसार, यह अनियमितता हरियाणा सरकार से संबद्ध कुछ खातों तक सीमित पाई गई है। प्रकरण उजागर होने के बाद चार कर्मचारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर आंतरिक जांच शुरू कर दी गई है।

शेयर बाजार को दी गई सूचना

बैंक ने शेयर बाजार को दी जानकारी में कहा है कि वह इस धोखाधड़ी में शामिल कर्मचारियों और बाहरी लोगों के खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक, दीवानी और आपराधिक कार्रवाई करेगा। बैंक ने नियामकीय खुलासे में बताया कि संदिग्ध लेनदेन में शामिल कर्मचारियों और संभावित बाहरी व्यक्तियों के शामिल होने के संकेत मिले हैं कि शाखा स्तर पर खातों से धनराशि में हेरफेर की गई।

शिकायत और फॉरेंसिक ऑडिट

मामले में पुलिस शिकायत दर्ज कराई जा चुकी है। बैंक ने संबंधित जांच एजेंसियों को पूर्ण सहयोग देने की बात कही है। जिन खातों में संदिग्ध ट्रांजैक्शन हुए, उनसे जुड़े लाभार्थी बैंकों को राशि फ्रीज करने का अनुरोध किया गया है। साथ ही, स्वतंत्र बाहरी एजेंसी के माध्यम से फॉरेंसिक ऑडिट भी कराया जा रहा है ताकि धन प्रवाह की सटीक ट्रेल स्थापित की जा सके। सूत्रों के अनुसार, मामला तब प्रकाश में आया जब हरियाणा सरकार के कुछ विभागों ने अपने खाते बंद कर धन अन्य बैंक में स्थानांतरित करने का अनुरोध किया।

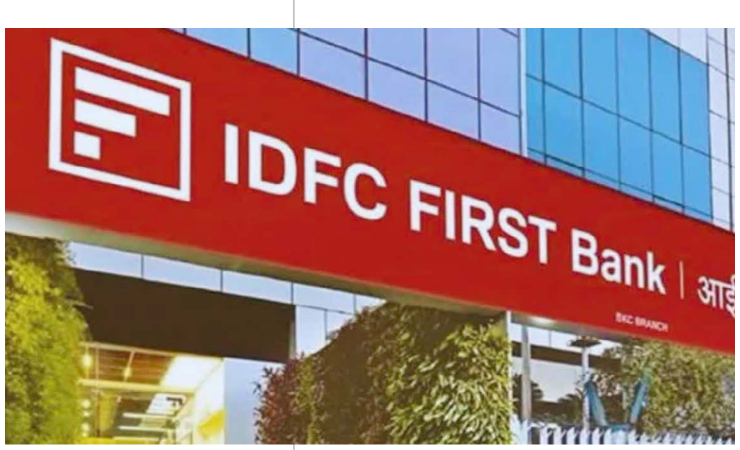

आईडीएफसी बैंक का पक्ष

बैंक ने स्पष्ट किया है कि यह अनियमितता केवल चंडीगढ़ शाखा के चुनिंदा सरकारी खातों तक सीमित है और अन्य ग्राहकों के खातों पर इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। प्रबंधन ने कहा है कि धन की वसूली और जवाबदेही तय करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। बैंक ने आश्वस्त किया है कि जांच के निष्कर्षों के आधार पर जिम्मेदार व्यक्तियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी और नियामकीय मानकों के अनुरूप पारदर्शिता बनाए रखी जाएगी। समन्वय प्रक्रिया के दौरान खातों में दर्ज शेष राशि और वास्तविक उपलब्ध धनराशि के बीच अंतर पाया गया। 18 फरवरी 2026 के आसपास शुरू हुई इस मिलान प्रक्रिया में विसंगतियां स्पष्ट हुईं।

हफ्तेभर में नौ IPO खुलेंगे, चार कंपनियां होंगी लिस्ट

- प्राइमरी मार्केट में रौनक, चार मेनबोर्ड और पांच एसएमई सेगमेंट की कंपनियां

एजेंसी | नई दिल्ली

23 फरवरी से शुरू हो रहे कारोबारी सप्ताह में प्राथमिक बाजार में तेज गतिविधि रहेगी। कुल नौ कंपनियां आईपीओ लेकर आ रही हैं, जिनमें चार मेनबोर्ड और पांच एसएमई श्रेणी की हैं। साथ ही, पिछले सप्ताह खुले दो इश्यू 24 फरवरी तक निवेश के लिए उपलब्ध रहेंगे। इस अवधि में चार कंपनियों के शेयरों की लिस्टिंग भी प्रस्तावित है।

25 फरवरी तक खुले रहेंगे अधिकांश इश्यू

23 फरवरी को Clean Max Enviro Energy Solutions (3,100 करोड़), Shriram Twistex (110.24 करोड़), Kiassa Retail (69.72 करोड़), Mobilize App (20.10 करोड़) और Accord Transformer and Switch Gear (25.59 करोड़) अपने इश्यू खोलेंगी। इनमें से क्लीन मैक्स का निर्गम मेनबोर्ड पर, जबकि शेष मुख्यत: एसएमई प्लेटफॉर्म पर प्रस्तावित हैं। अधिकांश इश्यू 25 फरवरी तक खुले रहेंगे और 2 मार्च के आसपास BSE व National Stock Exchange पर लिस्टिंग की संभावना है।

PNGS रेवा और ओमनीटेक का मेनबोर्ड IPO

24 फरवरी को PNGS Reva Diamond Jewellery (380 करोड़) और 25 फरवरी को Omnitech Engineering (583 करोड़) अपने-अपने मेनबोर्ड आईपीओ खोलेंगी। इसी दिन Yap Digital का एसएमई इश्यू भी आएगा, हालांकि इसका प्राइस बैंड अभी घोषित नहीं हुआ है। 26 फरवरी को Striders Impax (36.29 करोड़) का आईपीओ खुलेगा।

बुलियन बाजार में उछाल, सोना 1,900 रुपये तक चढ़ा

- सफेद धातु चांदी में 5,100 रुपये की तेजी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में सप्ताहांत पर कीमती धातुओं में मजबूत खरीदारी देखने को मिली। सोना प्रति 10 ग्राम लगभग 1,890 से 1,900 रुपये तक महंगा हुआ, जबकि चांदी में 5,100 रुपये प्रति किलोग्राम की तेजी दर्ज की गई। तेजी के बाद 24 कैरेट सोना अधिकांश बाजारों में 1,59,280 से 1,59,430 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार करता दिखा। वहीं 22 कैरेट सोने का भाव 1,46,000 से 1,46,150 रुपये प्रति 10 ग्राम तक पहुंच गया। राजधानी के बाजार में चांदी 2,75,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर दर्ज की गई।

प्रमुख शहरों में भाव

मुंबई में 24 कैरेट – 1,59,280 रुपये; 22 कैरेट – 1,46,000 रुपये, अहमदाबाद में 24 कैरेट – 1,59,330 रुपये; 22 कैरेट – 1,46,050 रुपये, चेन्नई में 24 कैरेट – 1,59,280 रुपये; 22 कैरेट – 1,46,000 रुपये, कोलकाता में 24 कैरेट – 1,59,280 रुपये; 22 कैरेट – 1,46,000 रुपये, लखनऊ में 24 कैरेट – 1,59,430 रुपये; 22 कैरेट – 1,46,150 रुपये और जयपुर में 24 कैरेट – 1,59,430 रुपये; 22 कैरेट – 1,46,150 रुपये रहा।

साप्ताहिक रुख

सोमवार से शनिवार के बीच 24 कैरेट सोना करीब 1,530 रुपये प्रति 10 ग्राम महंगा हुआ, जबकि 22 कैरेट सोने में लगभग 1,400 रुपये की बढ़त रही। हालांकि चांदी में सप्ताहभर उतार-चढ़ाव रहा, लेकिन कुल मिलाकर साप्ताहिक आधार पर दरें स्थिर रहीं।

भारत-अमेरिका समझौता: मुख्य वार्ताकारों की बैठक टली

अंतरिम व्यापार समझौते के लिए 23 से 26 फरवरी के बीच वाशिंगटन में होनी थी बैठक

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित अंतरिम व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के लिए तय मुख्य वार्ताकारों की बैठक फिलहाल टाल दी गई है। भारतीय दल को 23 से 26 फरवरी के बीच वॉशिंगटन में अमेरिकी अधिकारियों के साथ मसौदे के कानूनी बिंदुओं पर चर्चा करनी थी, लेकिन हालिया नीतिगत और कानूनी घटनाक्रम के मद्देनजर दोनों पक्षों ने पहले स्थिति का आकलन करने का निर्णय लिया है। नई तिथि आपसी सहमति से तय की जाएगी। प्रस्तावित 15 प्रतिशत नया टैरिफ लागू होने पर यह मौजूदा एमएफएन दरों के ऊपर जोड़ा जाएगा। उदाहरण के तौर पर, यदि किसी उत्पाद पर 5 प्रतिशत मूल आयात शुल्क है, तो कुल प्रभावी कर 20 प्रतिशत तक पहुंच सकता है।

टैरिफ नीति की अनिश्चितता

इस बीच अमेरिका में टैरिफ नीति को लेकर अनिश्चितता बढ़ी है। राष्ट्रपति Donald Trump ने सभी देशों पर आयात शुल्क 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत करने की घोषणा की है। हालांकि, U.S. Supreme Court ने IEEPA कानून के तहत लगाए गए व्यापक वैश्विक टैरिफ को

अवैध ठहराते हुए कहा कि कार्यपालिका ने अधिकार सीमा का उल्लंघन किया है। इस फैसले को अमेरिकी व्यापार नीति के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भारत पर अगस्त 2025 में अमेरिका ने 25 प्रतिशत प्रतिशोधात्मक (रेसिप्रोकल) टैरिफ लगाया था।

- एशिया कप राइजिंग स्टार्स-2026 ट्रॉफी पर जमाया कब्जा
- फाइनल में बांग्लादेश-ए को 46 रन से हराकर जीता खिताब

भारतीय महिला 'ए' टीम ने रचा इतिहास

एजेंसी | नई दिल्ली

भारतीय महिला 'ए' क्रिकेट टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एसीसी महिला एशिया कप राइजिंग स्टार्स 2026 का खिताब अपने नाम कर लिया। बैंकॉक के तेर्दथाई क्रिकेट ग्राउंड में खेले गए फाइनल मुकाबले में भारत-ए ने बांग्लादेश-ए को 46 रन से मात दी।

तेजल और राधा ने संभाली पारी

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत-ए ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 134 रन बनाए। शुरुआत धीमी रही और 44 रन तक टीम ने चार विकेट गंवा दिए। वृंदा दिनेश (19), नंदिनी कश्यप (8), मिन्नू मणि (0) और अनुष्का शर्मा (8) जल्दी आउट हो गईं ।इसके बाद कप्तान राधा यादव और तेजल हसबनीस ने पारी को संभाला। दोनों के बीच अहम साझेदारी हुई, जिसने टीम को 100 रन के पार पहुंचाया। राधा यादव ने 30 गेंदों में 36 रन (3 चौके, 1 छक्का) बनाए। तेजल हसबनीस ने 34 गेंदों में 51 रन की नाबाद अर्धशतकीय पारी खेली, जिसमें 3 चौके और 2 छक्के शामिल रहे ।बांग्लादेश-ए की ओर से फाहिमा खातून ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 विकेट झटके। फातिमा जहान और फरजाना इस्मिन को एक-एक सफलता मिली।

88 रन पर सिमटी बांग्लादेश-ए

135 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए बांग्लादेश-ए की शुरुआत खराब रही। 13 रन पर पहला विकेट गिर गया। शमीमा सुल्ताना ने 20 रन और सरमिन सुल्ताना ने 18 रन बनाए, लेकिन टीम नियमित अंतराल पर विकेट गंवाती रही। पूरी टीम 19 .1 ओवर में 88 रन पर सिमट गई ।भारत की ओर से प्रेमा रावत ने 3 विकेट लिए, जबकि तनुजा कंवर और सोनिया मेंधिया ने दो-दो विकेट झटके। राधा यादव, साइमा ठाकोर और मिन्नू मणि को एक-एक सफलता मिली ।भारत-ए की इस जीत ने टूर्नामेंट में टीम के दबदबे को साबित कर दिया !

इंग्लैंड का दबदबा बरकरार

सुपर-8 में श्रीलंका को 51 रन से रौंदा

▸ 147 रन का लक्ष्य भी नहीं छू सकी लंका, 95 पर ढेर

पल्लेकेले। आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सुपर-8 चरण में इंग्लैंड ने दमदार प्रदर्शन करते हुए श्रीलंका को 51 रन से हरा दिया। पल्लेकेले इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में इंग्लैंड द्वारा दिए गए 147 रन के लक्ष्य के जवाब में श्रीलंकाई टीम 16.4 ओवर में 95 रन पर सिमट गई। ग्रुप स्टेज में दोनों टीमें अपने-अपने समूह में दूसरे स्थान पर रही थीं, लेकिन सुपर-8 के इस मुकाबले में इंग्लैंड ने शुरुआत से ही शिकंजा कस दिया।

लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने पावरप्ले के भीतर ही पांच विकेट गंवा दिए। तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने पथुम निसंका (9) और कामिल मिशारा (6) को आउट कर शुरुआती झटके दिए। इसके बाद विल जैक्स ने कुसल मेंडिस (4), पवन रथनायके (0) और डुनिथ वेलालगे (10) को पवेलियन भेजकर श्रीलंका की कमर तोड़ दी ।कप्तान दासुन शनाका ने कुछ आक्रामक शॉट्स खेलते हुए 24 गेंदों में 30 रन (2 छक्के, 1 चौका) बनाए, लेकिन उन्हें दूसरे छोर से सहयोग नहीं मिला। इंग्लैंड की ओर से विल जैक्स ने तीन विकेट लिए, जबकि आदिल राशिद, जोफ्रा आर्चर और लियाम डॉसन को दो-दो सफलताएं मिलीं। जेमी ओवर्टन ने एक विकेट झटका।

फिल साल्ट की अर्धशतकीय पारी

इससे पहले टॉस हारकर बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड ने 20 ओवर में 9 विकेट पर 146 रन बनाए। सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट ने 40 गेंदों में 62 रन (6 चौके, 2 छक्के) की अहम पारी खेली। विल जैक्स ने 14 गेंदों में 21 रन का योगदान दिया। हालांकि जोस बटलर (7), जैकब बेथेल (3) और टॉम बैंटन (6) बड़ी पारी नहीं खेल सके ।श्रीलंका की ओर से डुनिथ वेलालगे ने तीन विकेट झटके, जबकि महीश तीक्ष्णा और दिलशान मदुशंका को दो-दो सफलता मिली।

टी20 इंटरनेशनल में दोनों टीमों के बीच अब तक 18 मुकाबले हुए हैं, जिनमें इंग्लैंड ने 14 जीते हैं।

जिम्बाब्वे को कमतर समझना भारी पड़ सकता है : डैरेन सैमी

मुंबई। डैरेन सैमी ने टी20 विश्व कप के सुपर-8 चरण में जिम्बाब्वे के खिलाफ अहम मुकाबले से पहले अपनी टीम को सतर्क रहने की सलाह दी है। वेस्टइंडीज के मुख्य कोच सैमी ने स्पष्ट कहा कि किसी भी प्रतिद्वंद्वी को हल्के में लेना टीम के अभियान को पटरी से उतार सकता है।

सैमी ने मैच की पूर्व संध्या पर कहा कि विश्व कप जैसे बड़े टूर्नामेंट में केवल बड़ी टीमें ही आगे बढ़ें, ऐसा जरूरी नहीं है। उन्होंने खिलाड़ियों को याद दिलाया कि जिम्बाब्वे ने ग्रुप चरण में शानदार प्रदर्शन करते हुए ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका जैसी मजबूत टीमों को हराया है ।उनके मुताबिक, 'हम विश्व कप खेल रहे हैं। हर मैच चुनौतीपूर्ण है। पहले जिम्बाब्वे, फिर दक्षिण अफ्रीका और उसके बाद भारत-हर मुकाबला कड़ा है। अगर चैंपियन बनना है तो हर चुनौती का सम्मान करना होगा।'

वरीयता नहीं मिलने से मिली प्रेरणा

सैमी का मानना है कि जिम्बाब्वे को ग्रुप बी में श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया जैसी वरीयता प्राप्त टीमों के साथ रखे जाने से अतिरिक्त प्रेरणा मिली। उन्होंने कहा कि अंडरडॉग का टैग कई बार टीमों को अपनी क्षमता से बेहतर प्रदर्शन करने के लिए उकसाता है ।उन्होंने कहा,'अगर आपको कम आंका जाए तो वह अपने आप में बड़ी प्रेरणा बन जाता है।

पंजाब के साहिल ने 21 किमी रेस वॉक में जीता स्वर्ण

चंडीगढ़। 'इंडियन ओपन रेस वॉक' प्रतियोगिता के अंतिम दिन पंजाब के 24 वर्षीय एथलीट साहिल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुषों की 21 किमी स्पर्धा में स्वर्ण पदक अपने नाम किया। सुखना झील के खूबसूरत कोर्स पर हुए इस रोमांचक मुकाबले में साहिल ने 1 घंटा 25 मिनट 48 सेकंड का समय निकालते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया। तमिलनाडु के अनुभवी सर्विन सेबेस्टियन ने 1:25:50.00 के समय के साथ रजत पदक जीता, जबकि हरियाणा के हरदीप ने 1:26:03.00 के साथ कांस्य पदक पर कब्जा जमाया। पेरिस ओलंपियन परमजीत सिंह बिष्ट (उत्तराखंड) 1:26:07.00 के समय के साथ चौथे स्थान पर रहे ।बीस किमी पैदल चाल के ओलंपियन और राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी अक्षदीप सिंह सातवें स्थान पर रहे। उन्होंने 1:27:37.00 का समय लिया। दिल्ली के विकास सिंह 10वें स्थान पर रहे, जबकि उत्तराखंड के सूरज पंवार रेस पूरी नहीं कर सके। महिलाओं की 21 किमी स्पर्धा में हरियाणा की अनुभवी एथलीट रवीना ने 1:39:15.00 का समय निकालकर स्वर्ण पदक जीता।

एफआईएच प्रो लीग : पेनल्टी शूटआउट में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 5-4 से हराया

होबार्ट। होबार्ट के तस्मानिया हॉकी सेंटर में रविवार को खेले गए एफआईएच पुरुष प्रो लीग 2025-26 के मुकाबले में भारतीय पुरुष हॉकी टीम को मेजबान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पेनल्टी शूटआउट में 4-5 से करीबी हार का सामना करना पड़ा। मैच के अंत तक दोनों टीमें 2-2 के स्कोर से बराबरी पर थीं ।भारत की तरफ से अमित रोहिदास (15वें मिनट) और जुगराज सिंह (43वें मिनट) ने गोल किए, जबकि ऑस्ट्रेलिया के जोएल रिंटाला (47वें और 56वें मिनट) के दो गोलों से स्कोर बराबर हो गया। मैच के शुरुआती समय में मेजबान टीम ने दबदबा बनाया और लगातार मजबूत पासिंग से भारत को अपने हाफ में सीमित रखा। हालांकि, भारतीय टीम ने दृढ़ रक्षात्मक खेल के साथ आगे बढ़ते हुए धीरे-धीरे ऑस्ट्रेलिया पर दबाव बनाना शुरू किया।

बॉलीवुड

महिला अपराधी की कहानी ने खींचा कोंकणा-प्रतिभा का ध्यान

कोंकणा सेन शर्मा और प्रतिभा रांटा इन दिनों अपनी आगामी फिल्म अक्यूज्ड को लेकर चर्चा में हैं। नेटफ्लिक्स के एक इवेंट में घोषित इस साइकोलॉजिकल सस्पेंस-थ्रिलर का ट्रेलर जारी हो चुका है और फिल्म 27 फरवरी से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी। हालिया बातचीत में दोनों अभिनेत्रियों ने बताया कि फिल्म की कहानी-जो एक महिला आरोपी के इर्द-गिर्द घूमती है-उन्हें सबसे अलग और दिलचस्प लगी। कोंकणा ने कहा कि आमतौर पर अपराध की कहानियों में आरोपी पुरुष होते हैं, लेकिन यहां एक महिला अपराधी का दृष्टिकोण दिखाया गया है, जो अपने आप में नया विचार है।

उन्होंने बताया कि फिल्म की कहानी व्यापक रिसर्च के आधार पर तैयार की गई है। 'जब मुझे ऑफर मिला तो मैं उत्साहित थी। हमने ऐसे मामलों के बारे में कम सुना है, लेकिन रिसर्च के दौरान पता चला कि विदेशों में ऐसे केस डॉक्यूमेंटेड हैं। उसी आधार पर स्क्रिप्ट लिखी गई।' प्रतिभा रांटा ने साझा किया कि उन्हें ऑडिशन के दौरान सिर्फ दो सीन दिए गए थे, लेकिन वे इतने प्रभावशाली थे कि उन्होंने तुरंत फिल्म के लिए हामी भर दी। 'मैंने पहले कभी ऐसा कुछ नहीं पढ़ा था। सीन पढ़ते ही लगा कि यह अलग और चुनौतीपूर्ण प्रोजेक्ट है,' प्रतिभा ने कहा।

फिल्म का निर्देशन अनुभूति कश्यप ने किया है। उन्होंने बताया कि शुरुआत में उनके पास पूरी स्क्रिप्ट नहीं थी, सिर्फ एक आइडिया था—कार्यस्थल पर एक

महिला पर लगे यौन उत्पीड़न के आरोप की कहानी। छह से आठ महीनों की मेहनत और रिसर्च के बाद राइटिंग टीम के साथ मिलकर स्क्रिप्ट को अंतिम रूप दिया गया।'अक्यूज्ड' एक मनोवैज्ञानिक सस्पेंस ड्रामा है, जो अपराध, आरोप और सामाजिक मानसिकता के जटिल पहलुओं को उजागर करती है। फिल्म को लेकर दर्शकों में उत्सुकता बढ़ती जा रही है।

'ग्लैमर प्रेशर' पर बोलीं तापसी पन्नू

हाल ही में तापसी पन्नू की फिल्म अस्सी सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। फिल्म के प्रमोशन के दौरान दिए एक इंटरव्यू में तापसी ने साउथ फिल्मों में काम करने के दौरान अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि वहां कई बार एक्ट्रेसेस की फिजिकल अपीयरेंस को लेकर ऐसी डिमांड की जाती थी, जिससे सेट पर असहज स्थिति बन जाती थी। तापसी ने कहा कि साउथ इंडस्ट्री में अभिनेत्री के लुक और ग्लैमर पर जरूरत से ज्यादा फोकस किया जाता है। उन्होंने बताया कि कई बार खास तरह के कपड़े पहनने या लुक में बदलाव करने के निर्देश अप्रत्यक्ष तरीके से दिए जाते थे। यह बात सीधे अभिनेत्री को न बताकर डायरेक्टर से असिस्टेंट डायरेक्टर और फिर स्टाइल या हेयर टीम के जरिए पहुंचाई जाती थी। तापसी ने कहा, 'सेट पर जब गाने की शूटिंग चल रही हो और अचानक बीच में जाकर बदलाव करने को कहा जाए, तो सबकी नजरें उसी पर होती हैं। अगर बदलाव के बाद भी फर्क न दिखे, तो दोबारा जाने को कहा जाता है। सोचिए, यह कितना शर्मनाक महसूस हो सकता है।' तापसी का मानना है कि साउथ सिनेमा में कई बार अभिनेत्री की शारीरिक छवि को इस सोच के साथ प्रस्तुत किया जाता है कि इससे दर्शकों की फैंटेसी पूरी होगी और फिल्म का आकर्षण बढ़ेगा। हालांकि उन्होंने यह भी माना कि हर प्रोजेक्ट ऐसा नहीं होता, लेकिन यह अनुभव उन्हें कई बार असहज कर गया। फिल्म 'अस्सी' में तापसी एक रेप पीड़िता की वकील के किरदार में नजर आ रही हैं। फिल्म में कनी कुश्रुति, जीशान अय्यूब, कुमुद मिश्रा और रेवती जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में हैं। कहानी एक रेप पीड़िता के संघर्ष, कानूनी प्रक्रिया की जटिलताओं और समाज की मानसिकता को संवेदनशील तरीके से सामने लाती है। फिल्म को दर्शकों की सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है और बॉक्स ऑफिस पर भी यह संतोषजनक प्रदर्शन कर रही है।

'प्रोपेगैंडा से समाज को बांटने की कोशिश'

अनुराग कश्यप ने 'द केरल स्टोरी 2' पर साधा निशाना

निर्देशक कामाख्या नारायण सिंह की फिल्म द केरल स्टोरी 2 27 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है। विपुल अमृतलाल शाह द्वारा प्रोड्यूस की गई इस फिल्म का ट्रेलर सामने आने के बाद से ही इसे लेकर सोशल मीडिया और फिल्म जगत में अलग-अलग प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। अब फिल्ममेकर अनुराग कश्यप ने भी इस पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। ट्रेलर के एक दृश्य में एक मुस्लिम परिवार द्वारा एक लड़की को जबरन बीफ खिलाते हुए दिखाया गया है। इसी सीन को लेकर अनुराग कश्यप ने आपत्ति जताई। कोच्चि में आयोजित फिल्मफेयर अवॉर्ड्स साउथ के दौरान जब उनसे ट्रेलर पर राय पूछी गई तो उन्होंने फिल्म को 'बकवास प्रोपेगैंडा' बताया।

अनुराग ने कहा कि इस तरह के दृश्य अवास्तविक लगते हैं और उनका उद्देश्य सिर्फ लोगों की भावनाओं को भड़काना है। उनके मुताबिक, 'ऐसी फिल्में समाज को बांटने का काम करती हैं और सिर्फ पैसा कमाने की मंशा से बनाई जाती हैं।'इससे पहले पिनाराई विजयन ने भी फिल्म की आलोचना करते हुए बयान जारी किया था। उन्होंने कहा कि केरल, जो धार्मिक सद्भाव और विकास के लिए जाना जाता है, उसे आतंकवाद के केंद्र के रूप में दिखाने की कोशिशों को खारिज किया जाना चाहिए। उन्होंने अपील की कि राज्य की धर्मनिरपेक्ष छवि को नुकसान पहुंचाने वाले किसी भी "झूठे प्रोपेगैंडा" का विरोध किया जाना चाहिए ।फिल्म को केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (CBFC) से U/A सर्टिफिकेट मिल चुका है।

हमारी सबसे बड़ी भूल मातृभाषा की उपेक्षा है : नरेश सक्सेना

यह संवाद मात्र एक साक्षात्कार नहीं, बल्कि आधुनिक भारत के 'बौद्धिक संकट' और 'सांस्कृतिक जिजीविषा' का एक जीवंत दस्तावेज़ है। सुप्रसिद्ध कवि और विचारक नरेश सक्सेना के साथ DBD (दोपहर) के संपादक अरुण लाल से हुई इस बातचीत में भाषा, नैतिकता, बाजार और प्रेम जैसे गहन विषयों पर मंथन हुआ। आज के दौर में जब ऊंची डिग्रियां और अंग्रेजी बोलने की कुशलता ही 'बौद्धिक' होने का पैमाना बन गई हैं, तब नरेश सक्सेना जैसे चिंतक हमें आईना दिखाते हैं। वे बताते हैं कि कैसे हम आधुनिकता की अंधी दौड़ में अपनी जड़ों और अपनी मेधा (Intellect) को होम कर रहे हैं। आईआईटी से लेकर गांवों की गलियों तक के अनुभवों को समेटे यह बातचीत, हमारे समय की एक ज़रूरी शिनाख्त है।

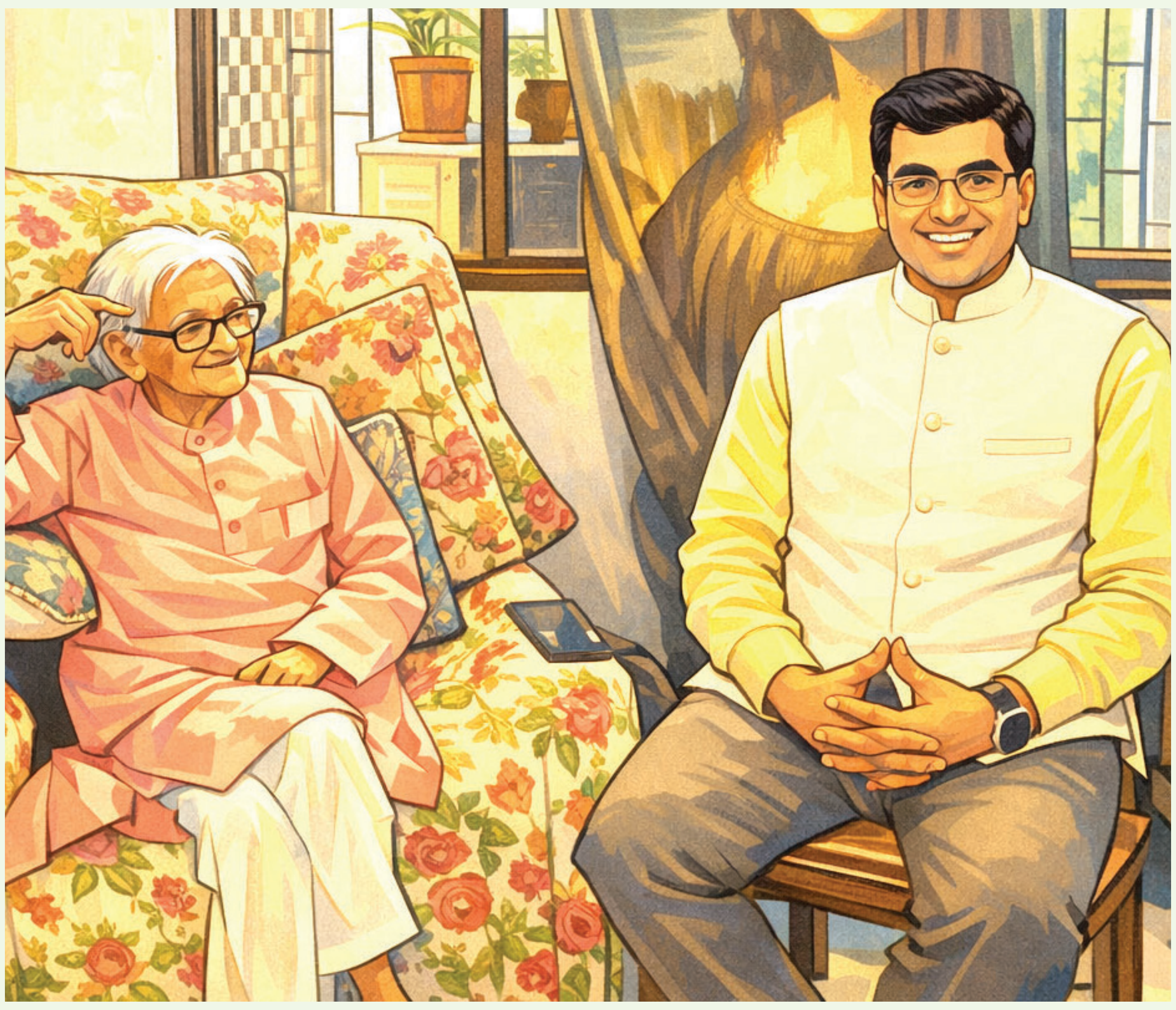

सवाल: सर, आप कहते हैं कि भाषा केवल संवाद का साधन नहीं, बल्कि दिमाग के विकास की कुंजी है। आज हर अभिभावक अपने बच्चे को अंग्रेजी माध्यम में झोंक रहा है, इसे आप किस रूप में देखते हैं?

नरेश सक्सेना : देखिए, मैंने आईआईटी कानपुर, मुंबई और अहमदाबाद जैसे संस्थानों में प्रोफेसरों और छात्रों के बीच एक सवाल किया—'उस व्यक्ति का नाम बताइए जिसने केवल अंग्रेजी माध्यम में विज्ञान पढ़कर दुनिया में कोई बड़ा मौलिक काम किया हो?' सन्नाटा पसर गया। कोई नाम नहीं मिला। कारण साफ है—जब आप बच्चे को उसकी मातृभाषा से काटकर अंग्रेजी के रटंत जाल में डालते हैं, तो वह बच्चा 'डंप' (मंदबुद्धि) होने लगता है। आठ-दस साल तो उसे गलत-सही सेंटेंस बनाने में लग जाते हैं। वह रटता है, स्पेलिंग उसे आती नहीं। भाषा छीन लेना दरअसल उसका दिमाग छीन लेना है। मैंने खुद इंजीनियरिंग में इसे भोगा है; जब टीचर बोर्ड पर अंग्रेजी में लिखता और मिटाता जाता था, तो हमारे पास सोचने का समय ही नहीं बचता था। हम कोर्स पूरा कर रहे हैं, 'पढ़' नहीं रहे हैं।

सवाल: विज्ञान और शोध (R&D) अब बड़ी कंपनियों के हाथ में है। क्या आम आदमी के लिए वैज्ञानिक आविष्कार अब दूर की कौड़ी हैं?

नरेश सक्सेना : बिल्कुल। जो रिसर्च पहले सार्वजनिक लैब में होती थी, वह अब मल्टी-मिलेनियर्स के पास चली गई है। सरकार ने अपनी लैब इंडस्ट्री को दे दी हैं। परिणाम? हम आज भी दुनिया को दाल, जूते और बनियान बेच रहे हैं। एक पश्चिमी देश एक हवाई जहाज बेचता है और हजारों करोड़ कमाता है; हम जहाज भर के बनियान बेचकर भी उसकी बराबरी नहीं कर सकते। हमारी बौद्धिक संपदा (Intellectual Property) पर विदेशी कंपनियों का कब्जा है।

सवाल: आपने उस दौर को देखा है जहां एक बढ़ई या मज़दूर झूठी कसम खाने से डरता था। आज नैतिकता का वह पैमाना कहां खो गया?

नरेश सक्सेना : पहले भय ईश्वर या पाप का नहीं, अपनी 'आत्मा' और 'जुबान' का था। लोग कहते थे—'बच्चे के सिर पर हाथ रखकर कह दो कि यह शीशम की लकड़ी है,' और झूठ बोलने वाला कांप जाता था। आज स्थिति यह है कि लोग लिखित में झूठ देने को तैयार हैं। उन्हें पता है कि न्याय तंत्र इतना सुस्त है कि लोअर कोर्ट से सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचते-पहुंचते शिकायतकर्ता मर जाएगा। आज का दर्शन है—'मैं झूठ बोलकर ऐश करूंगा, तुम सच के पीछे चक्कर काटकर मरोगे।' यह जो संवेदनहीनता आई है, इसने समाज के बुनियादी ढांचे को हिला दिया है।

सवाल: मुख्यधारा (Mainstream) मीडिया की गिरती साख और पत्रकारों की चुप्पी पर आपका क्या कहना है?

नरेश सक्सेना : आज का मीडिया पूरी तरह कॉरपोरेट और सरकार के शिकंजे में है। जब मैं 'आज तक' के मंच पर गया, तो मैंने देखा कि वहां स्पॉन्सरशिप का कितना दबाव है। मैंने सार्वजनिक मंच से उनके स्पॉन्सर (रजनीगंधा) को ही टोक दिया कि 'यह कैंसर करता है, इसे खाना बंद करो।' आज पत्रकार और कलाकार 'कुर्बानी' देने से डर रहे हैं। जब तक आप अपने लाभ (स्वार्थ) को ऊपर रखेंगे, आप सच नहीं बोल पाएंगे। मीडिया में अब केवल वही दिखाया जा रहा है जो सत्ता चाहती है, ताकि आम आदमी का विश्लेषण करने की ताकत ही खत्म हो जाए।

सवाल: आप विनोद कुमार शुक्ल पर डॉक्यूमेंट्री बना रहे हैं, उनके व्यक्तित्व का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष क्या है?

नरेश सक्सेना : विनोद कुमार शुक्ल का सबसे बड़ा गुण उनकी सादगी और आंतरिक ईमानदारी है। उन्होंने आर्थिक और मानसिक असुरक्षा में जीवन की शुरुआत की, पर उसे कभी सार्वजनिक सहानुभूति का विषय नहीं बनाया। वे किसी साहित्यिक गुट या संगठन से नहीं जुड़े, इसलिए उन्हें कई बार गलत समझा गया। लेकिन उनकी भाषा और दृष्टि मौलिक रही। अंतरराष्ट्रीय सम्मान और बाद में ज्ञानपीठ मिलने के बावजूद उनमें कोई प्रदर्शन नहीं आया। उनका जीवन बताता है कि सच्चा लेखक अपने काम से बड़ा होता है, प्रचार से नहीं।

सवाल: आपका विनोद कुमार शुक्ल जी से संबंध कब से रहा?

नरेश सक्सेना : मेरा उनका साथ उन्नीस सौ अट्ठावन से रहा। वे कृषि महाविद्यालय में थे और मैं इंजीनियरिंग महाविद्यालय में। तब से जो संबंध बना, वह आज तक नहीं टूटा। हम दोनों ने युवावस्था साथ बिताई। उनके व्यक्तित्व को बहुत करीब से देखने का अवसर मिला।

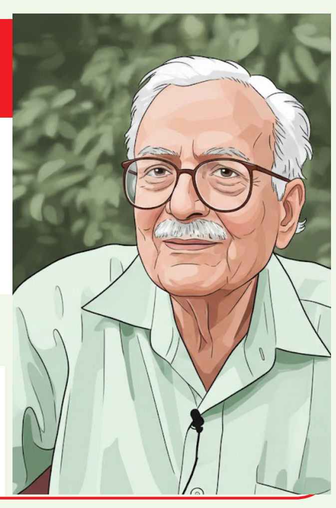

सवाल: भारत में जाति व्यवस्था ने हमारे तकनीकी विकास को कैसे प्रभावित किया?

नरेश सक्सेना : यह सबसे बड़ी त्रासदी है। हमने लोहार, बढ़ई, सुनार और बुनकर—जो वास्तव में हमारे इंजीनियर और टेक्नोलॉजिस्ट थे—उन्हें 'शूद्र' कहकर शिक्षा से दूर कर दिया। जब नवाचार (Innovation) करने वाले हाथ को हमने बुद्धि से अलग कर दिया, तो देश का विकास रुकना ही था। संस्कृत जैसी महान भाषा इसलिए मर गई क्योंकि हमने उसे आम आदमी और स्त्रियों से दूर रखा। हमने अपनी मेधा की खुद हत्या की है।

सवाल: वैलेंटाइन डे या आज की पीढ़ी के 'कैजुअल रिश्तों' को आप कैसे देखते हैं? क्या प्रेम केवल शारीरिक जरूरत बनकर रह गया है?

नरेश सक्सेना : प्रेम के बिना संसार का चलना असंभव है। प्रेम दैहिक (Physical) हो सकता है, पर वह उससे कहीं ऊपर है। माँ का बच्चे के प्रति प्रेम या मेरा उस रिक्शा वाले के प्रति प्रेम जो मुझे यहां तक लाया, वह शारीरिक नहीं है। आज के बच्चे अगर शारीरिक सुख को एक 'भूख' की तरह देखते हैं, तो मैं उसे नॉर्मल मानता हूं। वे कम से कम पाखंडी नहीं हैं। लेकिन जो 'रचना' होती है, वह केवल प्रेम से संभव है। होटल का रसोइया खाना बनाता है, पर मां के खाने में जो स्वाद है, वह उस 'प्रेम' का है जो फ्रीजर से निकालकर गर्म किए गए खाने में कभी नहीं आ सकता।

सवाल: एक लेखक के लिए प्रतिष्ठा और सम्मान कितने आवश्यक हैं?

नरेश सक्सेना : लेखक की रचना तभी सार्थक होती है जब उसे पाठक मिलते हैं। प्रतिष्ठा का अर्थ पुरस्कार नहीं, बल्कि पाठकीय स्वीकृति है। यदि कोई पढ़ने वाला ही न हो तो लेखन का अस्तित्व अधूरा है। प्रेस या प्रचार से नहीं, पाठकों के हृदय से प्रतिष्ठा मिलती है। सम्मान लेखक के आत्मविश्वास को पुष्ट करता है, पर वह लक्ष्य नहीं होना चाहिए।

सवाल: भारतीय भाषाओं और शिक्षा के संदर्भ में आप क्या सोचते हैं?

नरेश सक्सेना : हमारी सबसे बड़ी भूल मातृभाषा की उपेक्षा है। दुनिया के अधिकांश देश अपनी भाषा में शिक्षा देते हैं। जब बच्चा अपनी भाषा में सोचता और प्रश्न करता है, तभी सृजनात्मकता विकसित होती है। रटकर सीखी गई विदेशी भाषा में ज्ञान सीमित रह जाता है। यदि विज्ञान और तकनीक भी मातृभाषा में पढ़ाई जाए तो मौलिक अनुसंधान संभव है।

नरेश सक्सेना: साहित्य और राजनीति का संबंध आप कैसे देखते हैं?

नरेश सक्सेना : साहित्य समाज का दर्पण है, इसलिए राजनीति से पूरी तरह अलग नहीं रह सकता। जब संस्थाएँ स्वतंत्र होती हैं, तब विचार का दीपक जलता है। यदि संस्थागत स्वतंत्रता कमज़ोर होती है, तो रचनात्मकता प्रभावित होती है। लेखक का काम सत्ता का समर्थन या विरोध करना नहीं, बल्कि सत्य के पक्ष में खड़ा होना है।

सवाल : विनोद कुमार शुक्ल व्यक्तित्व का सबसे प्रमुख पक्ष क्या रहा?

नरेश सक्सेना : उनके जीवन की शुरुआत गहरी आर्थिक और मानसिक असुरक्षा में हुई। बचपन में पिता का निधन हो गया। संयुक्त परिवार में रहने के कारण भोजन और व्यवस्था तो थी, पर आत्मीय अधिकार का अभाव था। यह मानसिक असुरक्षा जीवन भर उनके भीतर रही, पर उन्होंने कभी इसका प्रदर्शन नहीं किया। वे अत्यंत संकोची, आत्ममग्न और कम बोलने वाले व्यक्ति थे। प्रचार से दूर रहते थे, सामाजिक माध्यमों से भी दूरी बनाए रखते थे।

सवाल: क्या वे किसी साहित्यिक संगठन से जुड़े थे?

नरेश सक्सेना : नहीं। वे किसी लेखक संघ या विचारधारात्मक संगठन से नहीं जुड़े। इस कारण उन्हें लेकर तरह-तरह की धारणाएं बनाई गईं—कभी उन्हें कलावावादी कहा गया, कभी दक्षिणपंथी। जबकि वे किसी खांचे में फिट होने वाले लेखक नहीं थे। वे सबके कार्यक्रमों में जाते थे, किसी से परहेज नहीं रखते थे, पर स्वयं किसी गुट का हिस्सा नहीं बने।

सवाल : क्या वर्तमान समय पहले से बेहतर है?

नरेश सक्सेना : मानव इतिहास की दृष्टि से देखें तो आज का समय कई मायनों में बेहतर है—लोकतंत्र, संचार, अवसर और वैश्विक संवाद की दृष्टि से। पहले राजतंत्र था; आज सामान्य नागरिक भी अपनी बात रख सकता है। हालांकि चुनौतियाँ अभी भी हैं, पर इतिहास की लंबी धारा में यह अधिक संभावनाशील समय है।

सवाल : भारतीय इंजीनियरिंग और विकास पर आपकी क्या राय है?

नरेश सक्सेना : तकनीकी दृष्टि से हमारे पास क्षमता की कमी नहीं है। समस्या अक्सर क्रियान्वयन और नैतिकता की होती है। डिज़ाइन उत्कृष्ट हो सकता है, पर यदि निर्माण में लापरवाही या भ्रष्टाचार हो तो परिणाम खराब होंगे। इसलिए तकनीकी ज्ञान के साथ नैतिक अनुशासन भी आवश्यक है।

सवाल : हरिशंकर परसाई जैसे लेखक की लोकप्रियता का कारण क्या था?

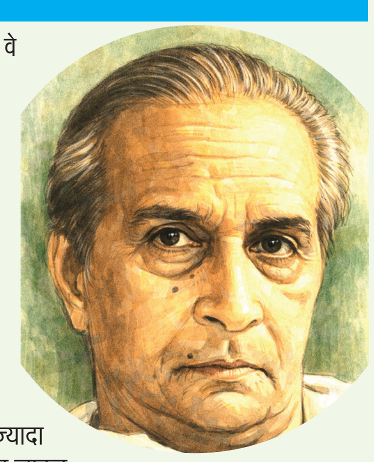

नरेश सक्सेना : हरिशंकर परसाई की सबसे बड़ी शक्ति उनकी जनसुलभता थी। वे निरंतर लिखते थे और आम जन के बीच रहते थे। उनका व्यंग्य सीधे समाज की विसंगतियों पर चोट करता था। वे लेखक होकर भी आम आदमी से जुड़े रहे—यही उनकी असाधारण पहचान थी। वे बेबाक लिखते थे, तो सरकारी नौकरी में उनपर दबाव बनने लगा पर उन्होंने दबाव को किनारे करके सरकारी नौकरी छोड़ दी। उनके व्यक्तित्व को उजागर करने वाला एक प्रसंग बताता हूं। रोज शाम को उनके घर साहित्यिक मित्रों की बैठक होती थी। एक दिन उनकी बहन जो विधवा थी और उनके साथ रहती थीं, ने आकर बताया कि बच्चे की दवा खत्म हो गई है और तुरंत लानी पड़ेगी। परसाई जी ने जेब टटोली—पैसा नहीं था। उन्होंने बिना घबराहट कलम उठाई, दस मिनट में दो पृष्ठ लिखे और साथी से कहा—इसे अमुक अखबार में दे आओ, और कहना परसाई जी ने कुछ रुपये मंगाए हैं। साथी जल्दी लौट आया—दवा भी ले आया और पैसे भी। उसने कहा कि मैंने सोचा बच्चे की दवाई ज्यादा जरूरी है, तो मैं पहले दवाई ले आया, फिर जाकर लेख दे आऊंगा। यह देखकर परसाई जी ने गंभीर स्वर में पूछा—मैंने तुमसे क्या कहा था? साथी ने कहा—हम रोज यहां आते हैं, चाय पीते हैं, क्या मेरा इतना भी हक नहीं कि मैं दवा ला दूं? यह सुनकर परसाई जी भीतर चले गए। उनकी आंखें भर आई थीं। यह प्रसंग बताता है—वे सहायता स्वीकार कर सकते थे, पर दया नहीं। उनका स्वाभिमान ही उनकी असली पूंजी था। एक दूसरा प्रसंग यह है कि एक बार कुछ कॉलेज छात्र परसाई जी का सम्मान करना चाहते थे। वे उनके पास आए और कार्यक्रम का प्रस्ताव रखा। परसाई जी ने पूछा—कितनी देर लगेगी? छात्रों ने बताया—दो से तीन घंटे।

उन्होंने पूछा—और दोगे क्या?

छात्र बोले—शाल, श्रीफल, मानपत्र। परसाई जी ने सीधा प्रश्न किया—पैसा दोगे? छात्रों ने आपस में विचार कर कहा—लगभग सौ रुपये। परसाई जी मुस्कुराए और बोले—दो घंटे का सम्मान सौ रुपये में नहीं करवाऊंगा। परसाई जी कोई स्थायी सरकारी नौकरी नहीं की। रोज लिखते थे और उसी से जीवन यापन करते थे। छोटे-बड़े सभी अखबारों में उनका स्तंभ छपता था। उनकी तस्वीर अक्सर कॉलम के साथ छपती थी, इसलिए शहर का आम आदमी भी उन्हें पहचानता था। पान की दुकान पर खड़े लोग भी रास्ता दे देते—"परसाई जी आ रहे हैं।" यह लोकप्रियता प्रचार से नहीं, निरंतर लेखन और जनसंपर्क से आई थी।

सवाल: आपने पूरी दुनिया घूमी है। भारत की 'पारिवारिकता' और पश्चिमी देशों के 'अकेलेपन' में आपने क्या बड़ा अंतर पाया?

नरेश सक्सेना : यूरोप में 16 साल का बच्चा स्वतंत्र है, जो अच्छी बात है। लेकिन जिस दिन वह बच्चा बीमार पड़ता है और उसके माता-पिता दोनों काम पर होते हैं, तब उन्हें 'परिवार' की याद आती है। वहां दादी, नानी या मौसी का कॉन्सेप्ट खत्म हो चुका है। भारत में आज भी संकट के समय 'मौसी' या 'पड़ोसी' खड़े हो जाते हैं। लोग न्यूक्लियर फैमिली से वापस संयुक्तता की ओर मुड़ रहे हैं क्योंकि अकेलेपन की तकलीफ असहनीय है। प्रेम और सामूहिकता ही हमारी वह पूंजी है जो हमें दुनिया से अलग करती है।

सवाल: क्या यह देर से मिली प्रतिष्ठा उनके लिए सार्थक रही?

नरेश सक्सेना : सम्मान उन्हें जीवन के उत्तरार्ध में मिला, जब वे शारीरिक रूप से दुर्बल हो चुके थे। धन और पुरस्कार उनके निजी उपभोग के लिए महत्वपूर्ण नहीं थे। पर यह संतोष अवश्य था कि अंतत: पाठकों ने उन्हें स्वीकार किया। असली खुशी इस बात की थी कि उनकी पुस्तकें पढ़ी जा रही थीं। नरेश सक्सेना से यह बातचीत हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि हम विकास की जिस पटरी पर दौड़ रहे हैं, वह कहीं हमें गंतव्य से दूर तो नहीं ले जा रही? भाषा, संस्कार और नैतिकता का 'पुश-बैक' (वापसी) ही शायद वह उजाला है जो आने वाले भारत को बचाएगा। जैसा कि वे कहते हैं—'कलाकार और पत्रकार, नेता और आम लोग जब तक कुर्बानी देने को तैयार रहेंगे, तब तक परिवर्तन की उम्मीद ज़िंदा है।'

सवाल: सर, आज इंटरनेट और सोशल मीडिया ने हर व्यक्ति को एक मंच दे दिया है। आप इसे साहित्य और समाज के लिए कितना बड़ा बदलाव मानते हैं?

नरेश सक्सेना : यह एक दोधारी तलवार है। इसने हमें आजादी तो दी कि अपनी बात दुनिया तक पहुंचा सकें, लेकिन साथ ही एक 'झूठा संतोष' भी पैदा कर दिया है। आज हमारे छोटे-छोटे 'क्लब' बन गए हैं। जैसे ही किसी को सौ 'लाइक' मिलते हैं, उसे लगता है कि वह स्टार हो गया है। लोग प्रशंसा के भूखे हो गए हैं। यह जो झूठी संतुष्टि है, यह वास्तविक बौद्धिक विकास को रोक रही है। यही कारण है कि जो लोग इस खेल को समझ गए, उन्होंने सोशल मीडिया छोड़ दिया या वहां अपनी सक्रियता सीमित कर ली। ज्ञान रंजन, अशोक वाजपेयी या विनोद कुमार शुक्ल जैसे लोग फेसबुक पर सक्रिय नहीं हैं। मैं भी हूँ, तो बस दूसरों को हौसला देने के लिए कुछ लिख देता हूँ, खुद स्टार बनने के लिए नहीं।